आषाढ़ कृष्ण पक्ष -11, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 12 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 जुलाई 2024 मंगलवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

विधानसभा में हंगामा, 15 मिनट स्थगित रही कार्यवाही, सिंघार व पटवारी ने संभाला अलग-अलग मोर्चा

विधानसभा मानसून सत्र

राहुल पर भाजपा सख्त, सदन से सड़क तक नर्सिंग घोटाले पर कांग्रेस कड़क

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में आज कांग्रेस ने आज सरकार पर नर्सिंग घोटाले को लेकर बरसने का मंसूबा बांधकर शुरूआत की है। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हिंदुओं के संबंध में कथित टिप्पणी को लेकर आज मप्र विस में हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्यवाही पंद्रह मिनट के लिए स्थगित करना पड़ी। प्रश्नकाल के बाद भाजपा के विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने हिंदू समाज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। हिंदू समाज को हिंसक बताया है। इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगना चाहिए। इसी को लेकर सदन में शोरशराबा हो गया और काफी सारे सदस्य एकसाथ बोलते रहे। हंगामे की स्थिति के चलते अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कार्यवाही पंद्रह मिनट के लिए स्थगित कर दी।

नर्सिंग घोटाने पर कल कांग्रेस के हंगामे के बाद अध्यक्ष पक्ष और विपक्ष दोनों को सुनने के बाद नर्सिंग घोटाले पर चर्चा का आश्वासन दिया था। दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने

युंका नेताओं के साथ बोर्ड आफिस पर इसी मामले के खिलाफ धरना दिया।

वहीं आज प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद तीन नए कानून पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है अंग्रेजों के जमाने में बनाए गए कानून बदले हैं। यह कानून की आत्मा लोगों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करती है। भारत में दंड की नहीं न्याय की परंपरा है,।

सीएम की हिदायत-सड़कों पर गड्ढे नहीं हों, यह प्रयास करे पीडब्ल्यूडी

लोकपथ ऐप का लोकार्पण

भोपाल । मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज यहां लोक निर्माण विभाग के लोकपथ मोबाइल एप का लोकार्पण किया और कहा कि सरकार के सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। प्रदेश की 40हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में इस ऐप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यादव ने कहा कि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है,

परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हों ही नहीं। लोकपथ मोबाइल ऐप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.mppwd.gov.in पर जाकर डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा सकता है। मोबाइल फोन में ऐप को खोलकर ऐप में रजिस्टर्ड सड़कों के पाट होल / पेच का फोटो लेकर डालने पर शिकायत निराकरण के लिए सीधे संबंधित अधिकारी को पहुंच जाएगी तथा अधिकारी को 7 दिन में जरूरी सुधार कार्य करना होगा। इसके अंतर्गत लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश के समस्त मरम्मत योगय राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग ,मुख्य जिला एवं अन्य जिला व ग्रामीण मार्ग सम्मिलित रहेंगे ।

यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी, प्रथम चरण आज 2 जुलाई से आरंभ किया जा रहा है ।

राहुल के वार को अखिलेश ने दी धार, शाम को मोदी करेंगे पलटवार!

नई दिल्ली , एजेंसी।

संसद में कल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के तीखे भाषण व भाजपा पर सीधे हमले के बाद आज सदन में सपा चीफ अखिलेश यादव ने भी अभिभाषण पर चर्चा में भाजपा व पीएम पर धारदार हमले किये। हालांकि आज शाम को पीएम नरेंद्र मोदी अभिभाषण चर्चा में भाग लेंगे और माना जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन उनके भी निशाने पर रहेगा। इससे पहले आज सुबह एनडीए गठबंधन की पहली संसदीय बैठक हुई,जिसमें संसद की कार्रवाई के लिये रणनीति तय की गई। केंद्रीय मंत्री किरेन रजिजू के मुताबिक पीएम ने सांसदों को कई नसीहतें दीं है। संसद में राहुल गांधी की भाषा ठीक नहीं थी, इसलिए पीएम ने बैठक में कहा है कि हमें संसद में वैसा बर्ताव नहीं करना है। वहीं जानकार सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा, संसदीय दल संसद से बेहतर सीखने की कोई जगह नहीं है, इसलिए आपको जितना हो सके उतना सीखना चाहिए। नए सांसद को सभी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में जाना चाहिए।

80 भी जीतूं तो ईवीएम पर भरोसा नहीं: संसद में सपा के अखिलेश यादव ने शायराना हमला करते हुए कहा- हजूर-ए-आला आज तक खामोश बैठे हैं इसी गम में, महफिल लूट ले गया कोई जबकि सजाई हमने। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त का दिन देश की आजादी का दिन है तो 4 जून सांप्रदायिक राजनीति से आजादी का दिन है।इस चुनाव ने तोड़ने वाली राजनीति को तोड़ दिया और जोड़ने वाली राजनीति की जीत हुई है। आचार संहिता में हमने देखा कि चुनाव आयोग कुछ लोगों पर मेहरबान रहा। वह संस्था निष्पक्ष होगी तो भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा। यादव ने कहा ईवीएम पर मुझे आज भी भरोसा नहीं है, मैं 80 की 80 सीटें जीत जाऊं तब भी नहीं होगा। उन्होंने गन्ना किसानों, पेपर लीक पर भी सरकार को घेरा व कहा कि जनता का जागरण काल आ गया है। अयोध्या की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि हम तो बचपन से यही सुनते आए हैं- होइहीं सोई जो राम रची राखा।

राहुल की टिप्पणी सदन के रेकार्ड से हटाई

लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए संबोधन में से कई टिप्पणियों को

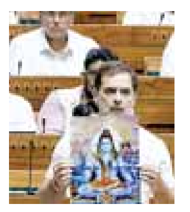

रिकॉर्ड से हटा लिया गया है। वहीं राहुल ने पर आपत्ति जता दी है। दरअसल कल राहुल ने भाषण में हिंदुओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर टिप्पणी की थी। इस बयान पर पीएम मोदी ने भी आपत्ति ली थी और कहा कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना गंभीर बात है। राहुल की इस बात पर पीएम मोदी ने आपत्ति जताई तो राहुल गांधी ने कहा कि मैंने भाजपा को हिंसक कहा है, नरेंद्र मोदी,भाजपा या संघ पूरा हिंदू समाज नहीं हैं। बताया जाता है कि अग्निवीर,अल्पसंख्यक,अडानी-अंबानी संबंधी टिप्पणी भी हटा दी गई हैं।

माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मुंबई । मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ गैर

जमानती वारंट जारी किया है। यह गैर जमानती वारंट विजय माल्या के खिलाफ इंडियन ओवरसीज बैंक से जुड़े 180 करोड़ रुपये का कर्ज न चुकाने के मामले से जुड़ा है। अदालत ने माल्या के खिलाफ 29 जून को गैर जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन इसका आदेश अब उपलब्ध हुआ। कोर्ट ने सीबीआई की दलीलों को सुनने के बाद और विजय माल्या के भगोड़े होने की स्थिति के आधार पर कहा कि 'माल्या के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए यह मामला बिल्कुल उपयुक्त है, ताकि उनकी अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके।' ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विजय माल्या पहले ही भगोड़े घोषित हो चुके हैं। फिलहाल वह लंदन में हैं

व्हाट्सऐप ने 66 लाख भारतीयों के अकाउंट्स बैन किए

व्हाट्सऐप की तरफ सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए लिए जाने वाले एक्शन की चपेट में अब भारत में 66 लाख से ज्यादा अकाउंट आ

गये हैं और इन्हें बैन कर दिया गया है। बताया जाता है कि कुल 66,20,000 अकाउंट्स को बैन किया गया है और इसमें से 12,55,000 अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है। भारत सरकार के ढ्ढञ्ज नियमों के तहत कंपनियों को हर महीने अपनी रिपोर्ट देनी होती है। इसमें कंपनियां हर प्रकार का डेटा पेश करती हैं। इसी में व्हाट्सऐप की तरफ से दावा किया गया है कि उन्होंने कई अकाउंट्स पर एक्शन लिया है और उन्हें बैन करने का फैसला लिया गया है। इसमें बताया गया कि उन्हें 13 हजार से ज्यादा शिकायतें मिली थीं, लेकिन इसमें 31 शिकायतों पर ही कार्रवाई की गई है। व्हाट्सऐप के भारत में 550 मिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं। हालांकि ये अनिवार्य नहीं होता है कि व्हाट्सऐप अपनी कार्रवाई में अकाउंट्स को सिर्फ बैन ही करें। इसमें अकाउंट्स पर अलग-अलग एक्शन लिए जा सकते हैं।

80 हजार का आंकड़ा छूने के बाद फिसलने लगा सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई , एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार में आज फिर प्री अ ोपनिंग में ऐसी तेजी देखने को मिली कि मार्केट के बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स ने इतिहास रचते हुए पहली बार 80,000 का आंकड़ा छू लिया। प्री-ओपन में करीब 300 अंकों से ज्यादा की उछाल के साथ सेंसेक्स ने यह मुकाम पाया। इसके बाद बाजार में दिन का कारोबार शुरू होने पर भी सेंसेक्स और निफ्टी नए ऑल टाइम हाई पर जा पहुंचे।

देश के बजट के पहले शेयर मार्केट में आज आलम यह था कि कारोबार शुरू होते ही बीएसई का सेंसेक्स अपने पिछले बंद से 211.30 अंक या 0.27 प्रतिशत बढ़कर 79,687.49 पर शुरुआत की और कुछ ही मिनटों में 79,855.87 का नया हाई लेवल छू लिया। निफ्टी ओपनिंग के साथ ही 60.20 अंक या 0.25 प्रतिशत बढ़कर 24,202.20 के नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। फिर बाजार

ऐतिहासिक तेजी के बाद मुनाफा वसूली का दबाव दिखा

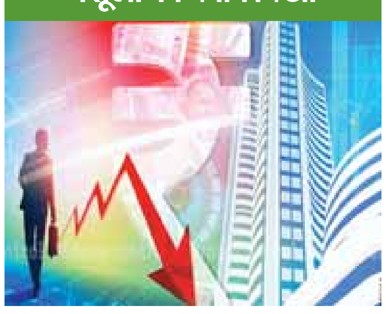

खुलने के साथ भी तेजी दिखाई दी, लेकिन घंटेभर के कारोबार के बाद इसमें मुनाफावसूली का दबाव भी दिखने लगा। सुबह 10.15 बजे पर निफ्टी 14 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,127 पर, जबकि सेंसेक्स 36 अंक फिसलकर 79,440 पर ट्रेड कर रहा था।

करौली दुर्घटना के मृतकों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राजस्थान के करौली में ट्रक और बोलेरो की टक्कर में राज्य के श्योपुर जिले के रहने वाले नौ लोगों की मृत्यु पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। डॉ यादव ने कल देर शाम हुए इस हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। ये सभी श्रद्धालु प्रदेश के श्योपुर जिले के निवासी थे, जो करौली स्थित कैला देवी के दर्शन के लिए गए थे।करौली जिले में करौली मंडरायल मार्ग पर कल देर शाम बोलेरो जीप एवं ट्रक के आपस में टकराने पर श्योपुर के नौ लोगों की मौत हो गई तथा अन्य चार घायल हो गये।

इंदौर के अनाथ आश्रम में दो बच्चों की मौत व दर्जनों बीमार

इंदौर, एजेंसी।

शहर के एक अनाथ आश्रम में दो बच्चों की दो दिन में मौत के बाद हडकंप है। यह आश्रम शहर के मल्हारगंज क्षेत्र में स्थित है। बताया जा ारहा है कि युगपुरुष धाम आश्रम में रह रहे 12 बच्चों की सोमवार को अचानक तबीयत खराब होने के बाद इन्हें चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद एक बच्चे की मौत रात में हुई। दूसरे बच्चे ने मंगलवार सुबह दम तोड़ दिया। बच्चों की मौत की सूचना पर इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह चाचा नेहरू अस्पताल पहुंचे। माना जा रहा है कि बच्चों के खून में संक्रमण के कारण तबीयत बिगड़ी है। बच्चों को एमवाय अस्पताल से चाचा नेहरू अस्पताल उपचार के लिए रेफर

किया गया।आश्रम में मप्र के अलग-अलग जिलों से लाए गए बच्चों को रखा गया है। मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 12 वर्षीय करण की सोमवार को अस्वस्थ होने के बाद मौत हो गई। इसके बाद आज सुबह सात वर्षीय आकाश नामक बच्चे की भी मौत हो गई। बच्चों की मौत के बाद पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है। बच्चों की मौत के बाद आश्रम प्रबंधन ने बाल कल्याण समिति को पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी है।

मेट्रो एंकर

कई राज्यों में बिगड़े हालात, मप्र में भी मानसून का स्ट्रांग सिस्टम

बारिश से लाखों लोग बेघर, अगले 48 घंटे सक्रिय

नई दिल्ली/भोपाल दोपहर मेट्रो।

जबर्दस्त गर्मी के दौर के बाद मानसून का मन्नत मांग रहे लोग अब इसके तीखे तेवरों से परेशान होने लगे हैं। मौसम की करवट और मानसून के तेवर से पूर्वोत्तर कराहने लगा है। बाढ़ से जूझ रहे असम और अरुणाचल में लोग अस्था कैंपों में रह रहे हैं। असम में करीब 3 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं और अब तक 60 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही बारिश से ब्रह्मपुत्र नदी में पानी बढ़ गया है जिससे कुछ दिनों संभलने के बाद रविवार को बाढ़ ने फिर विकराल रूप ले लिया और नगांव, डिब्रूगढ़ समेत दर्जन भर जिले पानी में डूब गए। घरों में घुटनों पानी भरा है। एनडीआरएफ उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रही हैं। असम और अरुणाचल प्रदेश में बारिश के बाद आई बाढ़ से भारी तबाही मची है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम

हिमंत बिस्वसरमा से बात कर हर मदद का भरोसा दिया। सरमा ने अगले 48 घंटे बेहद अहम बताए हैं। वहीं गुजरात के सूरत में भी तूफान ने भारी तबाही मचाई। बड़ी संख्या में पेड़ गिरने से कई रास्ते बंद है। बदरीनाथ धाम में अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

इधर मप्र में दो दर्जन से ज्यादा जिलों में आज भी तेज बरसात के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तराखंड, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, त्रिपुरा, मेघालय समेत उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, कोंकण और गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, केरल, और कर्नाटक में मानसून की तेज बरसात होंगी। उधर अरुणाचल में कई जगह भूस्खलन और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पूर्वी कमेंग में उफनती कमेंग नदी में कई घर बह गए।

टीम इंडिया के सामने फिर नए तूफान का खतरा

वेस्टइंडीज में टी 20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम तीन दिन से तूफान के चलते फंसी हुई है। बारबाडोस में लाकडाउन लगा हुआ है।

अब माना जा रहा है कि टीम आज शाम भारत के लिये उड़ान भर सकती है। बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया मोटले ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यहां हवाईअड्डा अगले छह से 12 घंटों में चालू हो जाएगा। लेकिन मुश्किल यह है कि आज टीम नहीं निकल सकी तो कल फिर एक तूफान की आशंका है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम, उसके सहयोगी स्टाफ, कुछ बीसीसीआई अधिकारी और खिलाड़ियों का परिवार तूफान बेरिल के कारण पिछले दो दिनों से बारबाडोस में फंसे हुए हैं।

खुला खतरा!

भोपाल के मित्तल कॉलेज के पास कॉलोनी में खुले में लगे हुए बिजली के मीटर से लोगों की जान का खतरा बना रहता है।

आरटीओ में स्मार्टचिप कंपनी कर्मियों के कामबंद से सैंकड़ों लोग परेशान

लाइसेंस, पंजीयन आदि काम अटके

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में स्मार्टचिप कंपनी के कर्मचारियों के काम बंद के चलते ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों के पंजीयन कार्ड आदि प्रिंट नहीं हो सके हैं। आज कुछ उम्मीद है कि काम हो लेकिन शुरूआती कामकाज के समय में यहां ताले लटके थे और सन्नाटा था। कल दिनभर यहां आए लोगों का बिना कार्ड लिए निराश होकर वापस लौटना पड़ा। दरअसल परिवहन विभाग के साथ स्मार्ट कार्ड प्रिंट करने का काम देख रही स्मार्टचिप कंपनी का 30 जून को टेंडर खत्म हो गया था। एक जुलाई सोमवार को परिवहन मुख्यालय ग्वालियर से टेंडर का नवीनीकरण नहीं किया गया। इससे स्मार्टचिप कंपनी के कर्मचारियों ने काम नहीं किया। इस वजह से आवेदकों को परेशानी हुई। सोमवार को सुबह 10 बजे से आरटीओ में लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन काम कराने के लिए आवेदकों को आने का शुरू हो गया था। आवेदक पहुंचे तो परमानेंट ड्राइविंग, पंजीयन शाखा में स्मार्टचिप के कर्मचारी बैठे नहीं मिले। कुछ कमरों में ताला लटका मिला।जब लोगों ने पूछताछ तो आरटीओ कर्मचारियों ने कहा कि स्मार्टचिप कंपनी के कर्मचारी काम नहीं करेंगे, इसलिए बाद में आएं। इससे निराश होकर आवेदकों को वापस बिना काम कराए ही लौटना पड़ा। भोपाल आरटीओ में हर दिन के 250 परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस, लर्निंग के 100, रजिस्ट्रेशन कार्ड 150 से अधिक आवेदक पहुंचते हैं। इस संबंध में उप परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने बताया कि कंपनी के टेंडर नवीनीकरण करने करने का काम प्रक्रिया में है। जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

माशिमं ने लागू की समग्र आईडी की अनिवार्यता

पिछली बार इस अनिवार्यता को किया था समाप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नौवीं में विद्यार्थियों के नामांकन में समग्र की अनिवार्यता को इस बार फिर से लागू कर दिया है। आनलाइन नामांकन आवेदन में अब टीसी रजिस्टर के आधार पर भरी गई जानकारी के आधार और समग्र आईडी में उल्लेखित जानकारी के आधार पर नामांकन होंगे। नौवीं के विद्यार्थियों के नामांकन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक है। वहीं विलंब शुल्क के साथ 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में माशिमं ने प्रवेश नीति में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

दरअसल माशिम ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नौवीं कक्षा के नामांकन के लिए समग्र आईडी को अनिवार्य नहीं किया था। इसमें आधार कार्ड भी ईकेवायसी करना है, जबकि सरकारी स्कूलों में ग्रामीण क्षेत्र के लाखों की संख्या में विद्यार्थियों के नामांकन व आधार कार्ड में गलती थी। इस कारण पिछले साल समग्र आईडी की अनिवार्यता को समाप्त किया था। मंडल ने इसमें सुधार के लिए स्कूल प्राचार्यों को अधिकृत भी किया। इसके बावजूद इसके नियमों के कारण इनमें सुधार हो पाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे परेशान कई सरकारी स्कूल के प्राचार्यों ने मंडल सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद मंडल सचिव ने समग्र की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। लेकिन फिर से डाटा मैच नहीं होने के कारण सत्र 2024-25 में समग्र आईडी को जरूरी कर दिया है। प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन आवेदन-पत्र भरते समय संबंधित छात्र की समग्र आईडी अंकित करना होगा। नौवीं के विद्यार्थी का एमपी आनलाइन के पोर्टल पर समग्र आईडी अंकित करते ही समग्र आईडी में दर्ज छात्र/ छात्रा की सभी जानकारियां जैसे छात्र का नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्मतिथि आदि स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी।

यूजी पीजी में इस बार प्रवेश कम

यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया कल तक चलेगी। हालांकि इस साल पीजी में प्रवेश की गति धीमी है।1,314 सरकारी व निजी कालेजों में यूजी-पीजी की 10.32 लाख सीटों पर प्रवेश लिया जा रहा है। पहले राउंड में अब तक यूजी व पीजी में करीब सवा लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें यूजी में 90 हजार प्रवेश हुए है। वहीं पीजी में 17 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। जानकारी के मुताबिक यूजी में चौथा वर्ष आनर्स पाठ्यक्रम शुरू होने के कारण पीजी में काफी कम प्रवेश हो रहे हैं। पीजी कोर्सेस एमए, एमएससी, एमकॉम में प्रवेश के लिए सीट आवंटन जारी किया है। यह आवंटन द्वितीय चरण की काउंसलिंग के तहत जारी किया गया है। विभाग ने प्रदेशभर के सरकारी और निजी कालेजों के लिए पीजी पाठ्यक्रमों में 32 हजार 54 विद्यार्थियों को सीट आवंटन पत्र जारी किए हैं। पहले चरण में 30 हजार 991 विद्यार्थियों को सीट आवंटित की गई थी। दोनों चरण को मिलाकर 63 हजार 45 छात्रों को सीट आवंटित की जा चुकी है। पीजी में द्वितीय चरण में जिन विद्यार्थियों को सीट आवंटन पत्र जारी किए गए हैं।उन्हें सात जुलाई तक फीस का भुगतान कर प्रवेश को सुनिश्चित करना होगा।यदि कोई विद्यार्थी सीट आवंटन से खुश नहीं है और पसंदीदा कालेज में सीट नहीं मिली है तो वे सात जुलाई तक ही सीट अपग्रेड के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सीट अपग्रेडेशन का आखिरी मौका है। इन्हें 11 जुलाई को सीट आवंटित की जाएगी। जिन्हें 13 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा।

वृक्ष को ही देव मानकर चले हैं हमः झा

तीन दिवसीय प्रादेशिक कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में 102 कार्यकर्ताओं का हुआ प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सृष्टि सेवा संकल्प-मप्र का तीन दिवसीय प्रादेशिक कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग राजधानी स्थित खेल परिसर 74 बंगला में संपन्न हुआ। मप्र के सात संभागों (इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर) व अन्य राज्यों (दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश) सहित कुल 102 कार्यकर्ताओं ने पूर्व समय रहकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें प्रमुख रूप से ÷सृष्टि सेवा संकल्प, भारत÷ के मार्गदर्शक प्रमोद झा (वरिष्ठ प्रचारक), राष्ट्रीय संरक्षक अंशुमान सिंह (वरिष्ठ अधिवक्ता जबलपुर हाईकोर्ट), राष्ट्रीय संगठक प्रशांत गुप्ता (पूर्णकालिक), पर्यावरणविद् डॉ. खुशाल सिंह पुरोहित, सेवानिवृत्त अपर जिला न्यायाधीश गिरीबाला सिंह उपस्थित रहे। वरिष्ठ प्रचारक प्रमोद झा ने कहा कि हम वृक्ष को ही देव मानकर चले हैं। पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे ब?ी जरूरत और चुनौती है। जल, जंगल और जमीन, जो कि मानव जीवन का आधार हैं, को बचाने के लिए स्वच्छता और वृक्षारोपण को लेकर समाज में जागरूकता जगानी ही होगी।

नवीन दायित्व की घोषणा भी की गई: प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में कुछ कार्यकर्ताओं के नवीन दायित्व की घोषणा भी की गई। पूर्णकालिक कार्यकर्ता एवं मध्यप्रदेश बौद्धिक प्रमुख कालीचरण शर्मा, इंदौर संभाग संगठन मंत्री प्रवीण गुप्ता, ग्वालियर एवं चंबल संभाग संगठन मंत्री लखनलाल शर्मा, भोपाल संभाग संगठन मंत्री वरुण शिवपुरिया, जबलपुर संभाग संगठन मंत्री शशांक पांडेय, नर्मदापुरम संभाग संगठन मंत्री विमलेश कीर, उज्जैन संभाग संगठन मंत्री प्रह्लाद गहलोत नियुक्त किए गए।

दादा वासवानीजी की जयंती मनाई नारायण सेवा संस्था ने

हिरदाराम नगर। नारायण सेवा संस्था के प्रमुख दादा नारायणदास वासवानी का 102वां जन्मदिन नारायण सेवा संस्था कार्यालय में मनाया गया, अर्चक पुरोहित राजकुमार गर्ग द्वारा हवन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रुप से संस्था के अध्यक्ष शंकर आसूदानी, नारायण सेवा संस्था के सुरेश कुमार वासवानी, नरेश कुमार वासवानी, लाइफ लाइन स्कूल की प्रमुख किरण वाधवानी, गोविंद वाधवानी, कथा वाचक भगवानदास वाधवानी, महिला मंडल की शोभा शेवकरामानी, खिमला पंजवानी, मोनिका हरचंदानी, दयाल दोलतानी, अनिल टिलवानी, बजरंग सेना समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी, राज बिजोरिया, राजेश केवलानी, आरती परमाल, नीलम तोलानी, सांई टेउराम संस्था के भगवानदास वीधानी आदि उपस्थित रहे।

सेवासदन में डॉक्टर्स ने दोहराया सेवा का संकल्प

सेवासदन में डॉक्टर्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में 'डॉक्टर्स डे' समारोह पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने सभी नेत्र रोग विशेषज्ञों, फिजीशियन्स, निश्चेतना विशेषज्ञों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही चिकित्सालय संत आसाराम बापू चौराहा पर अपने भव्य नवीन भवन में स्थानान्तरित होगा, जिसका निर्माण अंतिम चरण में है। सेसनेचि की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय और अन्य सभी डॉक्टरों ने सम्मिलित रूप से केक काटा।

सेवा सदन ट्रस्ट के चेयरमेन संत सिद्ध भाऊजी ने अपने संदेश में सभी डॉक्टर्स को बधाई देते हुए कहा कि अंधत्व नियंत्रण में नेत्र रोग विशेषज्ञों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। संत हिरदाराम साहिब जी भी सदैव नेत्र रोगियों की सेवा सुश्रुषा पूरे करूणा भाव से करने की सीख देते थे। नेत्र रोग विशेषज्ञों की सेवाओं और देखभाल के फलस्वरूप बड़ी संख्या में नेत्र रोगियों की सहायता संभव हो सकी है। न केवल सेसनेचि प्रबंधन बल्कि समाज के सभी वर्ग आज के अवसर पर डॉक्टर्स के प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हैं।

इस अवसर पर ट्रस्टीगण हीरो ज्ञानचंदानी, तुलसी आडवानी, सुरेश आवतरामानी, हीरो केसवानी और रमेश राजानी भी उपस्थित थे।

'अब सिंधी समाज के युवाओं को जॉब की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा'

सिंधी मेला समिति ने एस.एम.एस प्लेसमेंट सेल शुरू की

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा एक शाम सिंधी मेला समिति के सदस्यों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया, समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि सिंधी मेला समिति पिछले 27 वर्षों से अनेक सामाजिक आयोजन जैसे प्रतिभा सम्मान, कुकिंग कम्पटीशन, यूथ फ़ेस्टिवल (सिंधी मेला) सांस्कृतिक गरबा महोत्सव, पारिवारिक पिकनिक, पतंग महोत्सव, टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है, इन सभी कार्यक्रमों में सिंधी मेला समिति के सदस्यों का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहता है। समिति के सभी सदस्य निस्वार्थ भावना से हर कार्यक्रम में अपना भरपूर सहयोग देते है, 27 वर्षों के इस सफर में इन तमाम परिवार के लोगो ने हमारा साथ निभाया है। सिन्धी मेला समिति अपने परिवार के इन्ही सदस्यों का सम्मान और आभार प्रकट कर रहा है।

आयोजन की कड़ी में समिति द्वारा सिंधी युवाओं को रोज़गार से जोड़ने के उद्देश्य से एस.एम.एस प्लेसमेंट सेल का भी शुभारंभ किया गया, जिसमें युवा अपनी योग्यता अनुसार इस प्लेसमेंट सेल में अपना पंजीयन कर इस अपने कैरियर की शुरुआत कर सकता है।

इस अवसर पर विधायक व सिंधी मेला के संरक्षक भगवानदास सबनानी जिन्होंने 27 वर्ष पहले सिंधी मेला समिति नाम से एक पौधा रोपण किया था वो आज वृक्ष बन कर समाज के लोगों को अपनी छाया प्रदान कर रहा है। सबनानी ने कहा कि आज बहुत हर्ष का विषय है कि सिंधी मेला समिति ने युवाओं के लिए एस.एम.एस प्लेसमेंट सेल का निर्माण किया है, यह योजना समाज के युवाओ के लिए मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममरानी, सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष किशोर तनवानी, बैरागढ़ पंचायत के अध्यक्ष भारत असवानी, सिंधु भवन के ट्रस्ट अध्यक्ष राजेंद्र मंगवानी, मनोज गोलानी, महेश राजदेव एवं अन्य सामाजिक गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर सिंधी मेला समिति द्वारा सबनानी का शाल श्रीफल मोमेंटो देकर उनका नागरिक अभिनंदन भी किया गया।

मेट्रो एंकर — डॉक्टर स्वस्थ व दीर्घायु रहे उनके मन में नैतिकता और जरुरतमंदों की मदद का जज्बा होना चाहिए

साधु वासवानी स्कूल के टीचर्स ने किया डॉक्टरों का सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल की ओर से डॉक्टर-डे के अवसर पर सभी डॉक्टरों का शाल, पुष्पगुच्छ एवं पौधे कर सम्मान किया गया। डॉक्टरों ने सम्मान को और सेवा की प्रेरणा देने वाला बताया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि मेरी कामना है कि सभी डॉक्टर स्वस्थ व दीर्घायु रहे उनके मन में नैतिकता और जरुरतमंदों की मदद का जज्बा होना चाहिए। मरीज को डॉक्टर ही भगवान के रुप में नजर आता है, क्योंकि डॉक्टर ही मरीज की हर तकलीफ को समझकर मरीज का दुख दूर करने का हर संभव प्रयास करता है। ऐसे डॉक्टरों को मेरा नमन। सभी डॉक्टर अपने आपको नैतिकता के पथ पर अग्रसर करते हुए सेवा कार्य करके अपने कर्तव्यों का पालन करें। गेहानी एवं उनके साथ आए हुए शिक्षकों ने डॉक्टर टी.के. ज्ञानचंदानी एवं अन्य डॉक्टर्स के क्लीनिक पर पहुंचकर उनका सम्मान किया।

डॉ. टी.के. ज्ञानचंदानी ने कहा कि डॉक्टर्स-डे एक श्रेष्ठ दिन है और यह भाउजी का बड़प्पन है कि वे हर साल अपने स्टॉफ के साथ हमारे क्लीनिक पर आकर हमारा सम्मान करते है। डॉ. राकेश गुलानी एवं डॉ. लीना गुलानी ने कहा कि डॉक्टर के लिए मरीज से अधिक महत्वपूर्ण और कुछ नहीं होता। डॉ. शीतल बालानी ने कहा कि साधु वासवानी स्कूल की तरफ से हर साल भाऊजी हमारा सम्मान करते हैं जिससे हमें ओर अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है और अपने पेशे पर गर्व होता है। तत्पश्चात डॉ. दिलीप चोटरानी, डॉ. राजकुमारी चोटरानी, डॉ. जी.डी. खेमचंदानी, डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. दुर्गेश खेमचंदानी डॉ. पूनम खेमचंदानी, डॉ. लाल किशनानी, डॉ. पेसवानी आदि सभी डॉक्टरों का शाल व पुष्प गुच्छ व पौधा देकर सम्मान किया गया।

भाजपा ने किया सम्मान

डॉक्टर्स डे पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल के नेतृत्व में संतनगर के सभी डाक्टरों का सम्मान उनके क्लीनिक पर जाकर किया गया। बसंल ने कहा कि डॉक्टर मरीज के लिए भगवान का रूप होता है, वह मरीज का इलाज भी करता है। उन्हें हिम्मत भी देता है। ऐसे सभी डाक्टरों का सम्मान करके हम खुद को गौरांवित महसूस कर रहे हैं। इस अवसर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, शेट्टी चंदनानी, सुमित आहूजा, कैलाश दादलानी, सोनू रायचंदानी, शिव मिश्रा, राजू थावानी सहित भाजपा कार्यरत उपस्थित थे।

मप्र के सभी नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के सभी 6 टाइगर रिजर्व बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय धुबरी को एक जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। कुछ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में टाइगर सफारी पहले ही तरह ही संचालित होती रहेगी। मगर नेशनल पार्क या टाइगर रिजर्व के कोर जोन में पर्यटक नहीं जा सकेंगे। नेशनल पार्कों और टाइगर रिजर्व में तीन महीने तक पर्यटकों के लिए यह पाबंदी लागू रहेगी। जो एक अक्टूबर को खुलेगी। उल्लेखनीय है कि यह मौसम में बाघ और बाघिन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस प्रजनन काल भी कहा जाता है। इसके अलावा बारिश में जंगल सफारी भी मुश्किल हो जाती है। बारिश के दौरान पार्क या अभयारण्य के कच्चे रास्तों पर वाहन चलाना काफी मुश्किल भरा हो जाता है। जंगल के अंदर वाहनों के कच्चे रास्तों में फंसने से किसी तरह का कोई हादसे का खतरा बढ़ जाता है। यही कारण है कि बारिश के दौरान दो से तीन माह के लिए पार्क बंद कर दिए जाते हैं। बताया जाता है कि बांधवगढ़ सहित अन्य टाइगर रिजर्व के बफर जोन में सफारी जारी रहेगी और बफर में घूमने वाले टूरिस्ट बारिश के दौरान सफारी का आनंद ले सकते हैं।

कलेक्टर कर सकेंगे पकड़े गए वाहनों को राजसात करने की कार्रवाई

तस्करी में पकड़े वाहन होंगे राजसात, गौवंश तस्करों की टूटेगी कमर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में गौवंश तस्करों की कमर तोड़ने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए तस्करी में पकड़े जाने वाहनों को राजसात करने का निर्णय लिया है। अब गौवंश तस्करी में पकड़े जाने वाले वाहनों को संबंधित जिले के कलेक्टर राजसात कर सकेंगे। यह निर्णय मंत्री परिषद की सोमवार को विधानसभा में हुई बैठक में लिया गया। अभी तक ये वाहन कोर्ट की कार्रवाई के बाद छोड़ दिए जाते थे।

बैठक में ये निर्णय भी लिए

– बोरवेल खुला छोडड़ा और उसमें गिरने वालों को निकालने में जो खर्च आएगा, वह जुर्माने के साथ वसूल किया जाएगा। मालिक के खिलाफ केस चलेगा। यदि गिरने वाले की मौत हुई तो हत्या का केस भी लगेगा। बीते वर्षों में खुले बोरवेलों में बच्चों के गिरने और उनकी मौत् होने की कई घटनाएं सामने आई। रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई घटनाओं में बच्चों को नहीं बचाया जा सका। सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए खुले बोरवेलों से होने वाली घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा विधेयक-2024 लेकर आई है।

– मंत्रालय के भवन क्रमांक-1 को नए सिरे से संवारा जाएगा, उसमें आग से सुरक्षा करने वाले आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इस पर 107 करोड़ 27 लाख रुपये खर्च होंगे। आग 9 मार्च को लापरवाही के चलते लगी थी।

– वनोपज से होने वाले लाभ का 10 प्रतिशत हिस्सा गांवों में अद्योसंरचनात्मक विकास पर खर्च होगा। यह राशि उन गांवों में खर्च होगी, जहां के ग्रामीण वनोपज संग्रहण का काम करते है। यही नहीं, वनोपज संग्रहण करने वाले परिवारों के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही है अब उनका जिम्मा राज्य लघु वनोपज संघ के पास होगा।

सहकारी अधिकरण के रजत जयंती समारोह में सारंग बोले

सुनने वाले और सुनाने वाले का सामंजस्य हो तो न्याय मिलना आसान होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि यदि सुनने वाले और सुनाने वाले व्यक्तियों के बीच समन्वय हो जाये तो लोगों को न्याय मिलना आसान हो जायेगा। उन्होंने कहा कि अधिकार एवं कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पूरी ईमानदारी से कर्तव्यों का निवर्हन करने के प्रयास होना चाहिये। सारंग अपेक्स बैंक समन्वय भवन में मप्र राज्य सहकारी अधिकरण, भोपाल के रजत जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकार से समृद्धि के नारे को सफल बनाने की जवाबदारी केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह जी को सौंपकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आज सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। जिस प्रकार से सहकारिता का सबसे सुंदर उदाहरण हमारा परिवार है। मुखिया आजीविका अर्जित करता है। अन्य सदस्य परिवार की गतिविधियों का संचालन करते हैं।

सहकारी अधिकरण के अध्यक्ष चन्द्रेश खरे एवं सदस्य अरूण माथुर ने अध्यक्ष, सदस्य सचिव, अधिवक्तागण एवं कार्यालयीन लोगों की सराहना की। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि सहकारी अधिकरण का रजत जयंती में प्रवेश ऐतिहासिक अवसर है। केन्द्र सरकार द्वारा अंग्रेजों के जमाने के बनाये गये कानूनों को परिवर्तित कर देश के नागरिकों को बेहतर सुरक्षा एवं अतिशीघ्र न्याय दिलाने के प्रयास किये हैं। सहकारिता भारतीय संस्कृति में रची बसी है। भारत में वायु, जल, जमीन एवं जंगल व नदियों को सनातन काल से पूजा की जाती रही है। यही वजह है कि हजारों वर्ष पूर्व भी भारत में विश्व भर के लोग यहाँ अध्ययन करने आया करते थे। सिंह ने कहा कि भारत में मल्टी स्टेट को-आपरेटिव्ह एक्ट विगत वर्ष लागू हुआ है। मध्य प्रदेश की सरकार प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत को साकार करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। न्यायमूर्ति एवं अध्यक्ष, सशस्त्र बल, नई दिल्ली राजेन्द्र मेनन ने कहा कि देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश में ही वर्ष 1904 में सहकारिता की अवधारणा की उत्पत्ति हुई थी। 1957 में मध्यप्रदेश में सबसे पहली कॉआपरेटिव्ह सोसायटी इंडियन कॉफी हाउस वर्क्स फेडरेशन बनी थी, जिसका आज टर्नओवर लगभग रूपये 600 करोड़ तक पहुँच गया है। राज्य सहकारी संघ द्वारा रजत जयंती स्मारिका-2024 का विमोचन हुआ। अध्यक्ष, अधिकरण बार ओम पाटीदार व पूर्व अध्यक्ष डी. के. सक्सेना व सहकारी अधिकरण के प्रथम अध्यक्ष एम.आर.पाण्डेय ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन रानी रैकवार ने किया एवं आभार प्रदर्शन अरूण माथुर ने किया। मप्र के लोकायुक्त न्यायमूर्ति सत्येन्द्र सिंह, उपलोकायुक्त न्यायमूर्ति एसके पालो, अध्यक्ष, माध्यस्थम अधिकरण न्यायमूर्ति जे.पी. गुप्ता, अध्यक्ष, रियल स्टेट अपीलियेट अधिकरण न्यायमूर्ति व्ही.पी. एस.चौहान, अध्यक्ष, मानव अधिकार आयोग मनोहर ममतानी, प्रबंध संचालक, प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी, प्रबंध विशेष रूप से उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग से चलाया जाएगा, 20 सदस्य होंगे

विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने स्कूलों में तैयार होंगे प्रहरी क्लब, 100 मीटर के दायरे में नहीं होगी नशे की दुकान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के स्कूली विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने और जागरूक करने के लिए अब स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में प्रहरी क्लब का गठन किया जाएगा। यह क्लब स्कूली बच्चों और अभिभावकों के सहयोग से चलाया जाएगा। क्लब के सदस्य इस बात का ध्यान रखेंगे कि किसी प्रकार के नशे की दुकानें शिक्षण संस्थान से 100 मीटर के दायरे में न हो। इसको लेकर विभाग ने योजना तैयार की है। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए है। स्कूलों में 6वीं से 12वीं तक के बच्चों में नशीली दवाओं के सेवन और तस्करी की रोकथाम के लिए प्रहरी क्लब का गठन किया जाएगा। इस क्लब के

सदस्य विद्यार्थियों को तंबाकू व अन्य प्रकार नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करेंगे। जागरुकता के लिए इस क्लब के कार्यक्रमों में अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक क्लब में 20 सदस्य होंगे।

बाल अधिकार आयोग के पोर्टल पर दर्ज होगी रिपोर्ट

प्रहरी क्लब के सदस्य निगरानी करेंगे कि विद्यालय के विद्यार्थी शराब, पान मसाला, गुटका, बीड़ी और सिगरेट की लत से बचे रहें। डीपीआइ ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि प्रहरी क्लब के नोडल या प्रभारी शिक्षकों का डाटा राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग के पोर्टल पर एक सप्ताह में दर्ज करना होगा।

एक शिक्षक को प्रभारी बनाया जाएगा

प्रहरी क्लब में एक शिक्षक को प्रभारी बनाया जाएगा। यह ध्यान रखना होगा कि जिस शिक्षक को क्लब का प्रभारी बनाया जा रहा है, उसे तंबाकू या अन्य प्रकार के नशे की लत ना हो। वहीं प्रहरी क्लब में प्रत्येक कक्षाओं के विद्यार्थियों को शामिल करेंगे।

13 साल से कम उम्र तो 9वीं प्रवेश नहीं, नर्सरी में न्यूनतम आयु 3 वर्ष

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने साल 2024-25 के लिए 9वीं से 12वीं तक के लिए प्रवेश नीति जारी की है। इस नीति के अनुसार, अब एमपी बोर्ड के सभी स्कूलों में नई व्यवस्था लागू की जाएगी। निजी और सरकारी स्कूलों में

नौवीं कक्षा में 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। नर्सरी कक्षा में 3 साल से साढ़े चार साल उम्र के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। नर्सरी में न्यूनतम आयु 3 वर्ष और अधिकतम आयु साढ़े चार वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं केजी 1 में न्यूनतम आयु 4 वर्ष और अधिकतम आयु साढ़े पांच वर्ष। केजी 2 में न्यूनतम आयु 5 वर्ष और अधिकतम आयु साढ़े छह वर्ष, वहीं पहली कक्षा में न्यूनतम आयु 6 वर्ष और अधिकतम आयु साढे सात वर्ष निर्धारित की गई है।

एमबीए करने के बाद भी 60 फीसदी बेरोजगार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) किए हुए 60 फीसदी छात्र बेरोजगार हैं। ये या तो किसी छोटी कंपनी में कम वेतन पर काम कर रहे हैं, या फिर खुद कोई व्यवसाय शुरू कर चुके हैं, जबकि बीते दो साल से विद्यार्थियों की ये पहली पसंद बना हुआ है। इसका मुय कारण प्रदेश में एमबीए कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा न मिलना है। प्रदेश के आठ-दस कॉलेजों को छोड़ दें तो अन्य कॉलेजों में छोटी-मोटी कंपनी ही कैंपस के लिए पहुंचती हैं। प्रदेश में 274 एमबीए कॉलेज हैं। जिनमें 43 हजार 981 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। पिछले वर्ष बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) को निरीक्षण के दौरान 130 एमबीए कॉलेज ऐसे मिले थे, जिनमें मूलभूत सुविधाएं नहीं भी नहीं थीं। इसमें से 98 निजी कॉलेजों में एमबीए पाठ्यक्रम की कुल 20 हजार 94 सीटें हैं, लेकिन इन कॉलेजों निदेशक, विभागाध्यक्ष और शिक्षकों के 80 फीसदी पद खाली हैं। मान्यता और संबंद्धता के लिए दिखाते हैं फैकल्टी-कॉलेजों में यूजीसी के नियमों का पालन नहीं हो रहा।

मेट्रो एंकर — राज्यमंत्री ने की विधानसभा के विकास कार्यों की समीक्षा

अब नगरीय क्षेत्रों की तरह गांवों के लिए भी कचरा प्रबंधन की योजना बनाएगी सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के लिए नगरीय निकायों की तरह गांवों में भी कचरा प्रबंधन की योजना क्रियान्वित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, वाटर हार्वेसटिंग, वृक्षारोपण और कचरे के प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए कार्य करे। राज्यमंत्री ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए जिले और विधानसभा की पंचवर्षीय कार्य योजना बनायें और वर्षभर में किए जाने वाले कार्यों का एनुअल एक्शन प्लान भी बनायें, ताकि विकास कार्य समय-सीमा में पूरे हो सकें। राज्यमंत्री संचालित विभागीय योजनाओं के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। राज्यमंत्री बागरी ने नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज प्लान की खुदाई और ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की पाइप बिछाने के कार्य में सड़कों के रेस्टोरेशन का कार्य शीघ्रतापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के कार्यों के सड़क रेस्टोरेशन में रोलर से मिट्टी का कॉम्पेक्शन भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग अपनी व्यवस्थाएं और मेंटेनेंस कार्य में सुधार लाएं। खराब ट्रांसफार्मर तीन दिवस में बदले जाएं और ट्रिपिंग सहित बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए। राज्यमंत्री ने कहा कि वर्षाकाल में नवनिर्मित वाटर बॉडी की संरचना टूटनी नहीं

चाहिए, तालाबों एवं बांधों के बेस्ट वियर और गेट समय पर खुलें और बरसात बाद तुरंत बंद भी किए जायें। सतना जिले में 11 लाख पौधे और रैगांव विधानसभा में 12 स्थलों पर 2 लाख 58 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य वन विभाग ने तय किया है। इसी प्रकार ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण की तैयारी बनाकर पौधे रोपें। राज्यमंत्री ने कहा कि पौधे की सर्वाइवल रेट ब?ाने 5-6 फीट के ब? पौधे लगाए जायें। राज्यमंत्री ने कहा कि जिले में नगर वन और ग्राम वन की अवधारणा पर उपलब्ध भूमि में सघन वृक्षारोपण के कार्य भी लिए जाये। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि बरसात के समय ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की निकासी की व्यवस्था करें। बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोकने वाटर बॉडी में डाइवर्ट करें और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए सोखता गड्ढा की संरचना भी बनायें, ताकि अधिक से अधिक वाटर हार्वेस्टिंग की जा सके। राज्यमंत्री बागरी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम के कार्यों की समीक्षा में कहा कि घर-घर नल जल पहुंचाने की योजना में घर के भीतर तक नल कनेक्शन देना है। सड़क पर कनेक्शन के पाइप खुले नहीं छोड़े जायें, इनसे दुर्घटना हो सकती है और पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त होगी। राज्यमंत्री ने नल जल प्रदाय योजनाओं की जानकारी ली। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में राज्यमंत्री ने कोठी और सोहावल की व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा है। सीएमएचओ ने बताया कि रैगांव क्षेत्र में 8 नए उप स्वास्थ्य केंद्र भी स्वीकृत किए गए हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में इस वर्ष खरीफ में धान का रकबा कम कर दलहन, तिलहन और मिलेट की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

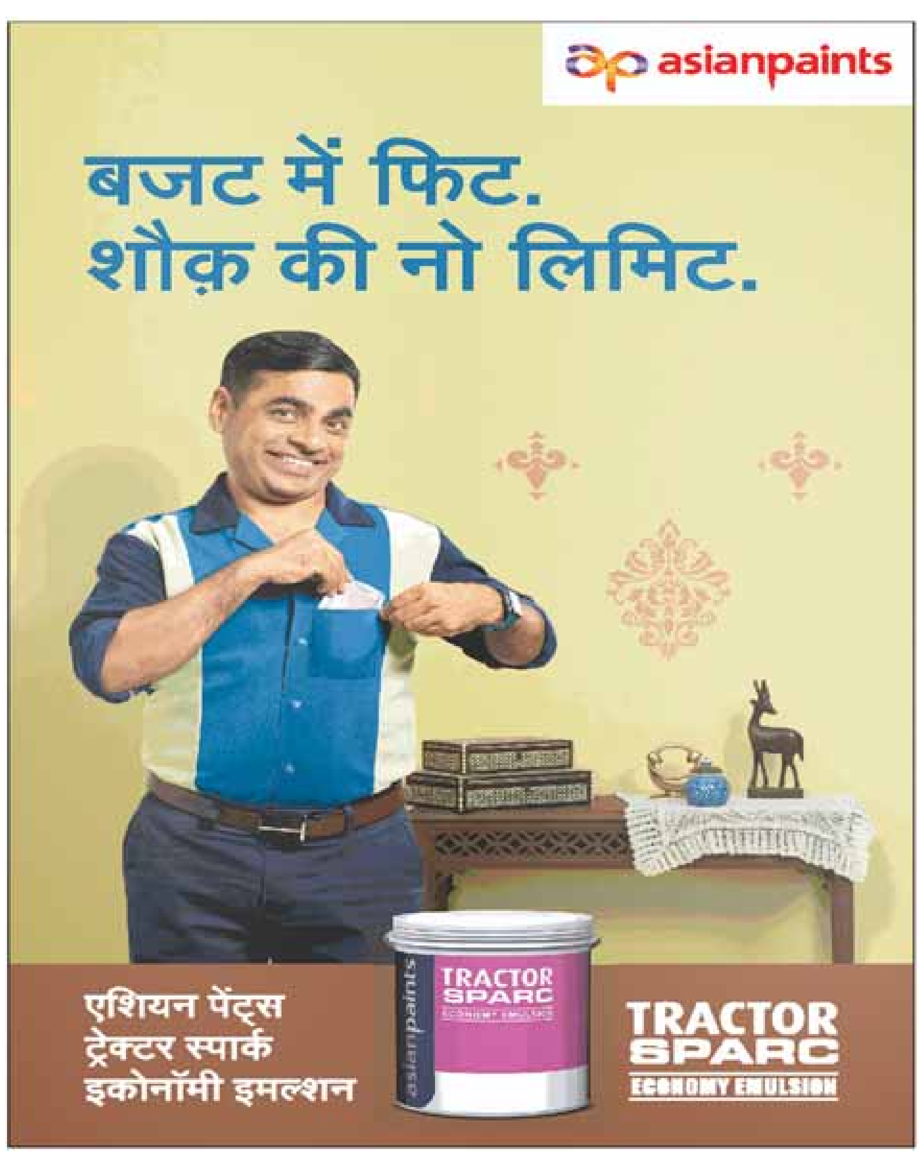

संपादकीय

हसरत व जरूरत के बीच संतुलन

केंद्र की मोदी सरकार के सबसे महत्वपूर्ण पार्टनर जनता दल यू ने अपने तेवरों और तकाजों की झलक दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में दे दी है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाली पार्टी ने जिस तरह से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी मांग दोहराई है, वह बदले हुए राजनीतिक माहौल में खासी अहमियत रखता है। यह मांग कुछ समय बाद होने वाले बिहार के विधानसभा चुनाव के मायनों में भी बहुत खास है। लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में बनी एनडीए सरकार की जेडीयू पर निर्भरता देखते हुए स्वाभाविक ही इस बात की पड़ताल शुरू हो गई है कि इस मांग पर जोर देने के पीछे जेडीयू नेतृत्व की मंशा क्या हो सकती है। वह भी तब, जबकि बैठक के ठीक पहले जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने नीतीश के एनडीए छोडने की बात कहकर सनसनी मचा दी थी। वैसे बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग कोई नई नहीं है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद भी काफी पहले से यह मांग करते रहे हैं। पिछले साल बिहार विधानसभा इस मांग के पक्ष में प्रस्ताव भी पारित कर चुकी है। खास बात यह कि 14वां वित्त आयोग विशेष राज्य के इस दर्जे को समाप्त कर चुका है। नीतीश की पार्टी की इस मांग के चलते बरबस ही नजर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी पर भी जाती हैं, जो केंद्र सरकार की एक और महत्वपूर्ण सहयोगी है। उसने अभी ऐसा कोई प्रस्ताव भले पास न किया हो, अपने राज्य के लिए वह भी ऐसी मांग करती रही है। मौजूदा राजनीतिक समीकरण की बात की जाए तो उनकी पार्टी का समर्थन भी केंद्र की एनडीए सरकार के लिए बहुत अहम है। क्योंकि जेडीयू के 12 सांसदों के मुकाबले 16 सांसद होने के नाते उनकी ज्यादा अहमियत मानी जाएगी। लेकिन समीकरण चाहे जो भी हो, अभी यह मानने की कोई वजह नहीं है कि ये दल अपनी विशेष राज्य के दर्जे की या किसी भी दूसरी मांग को लेकर ज्यादा आगे बढ़ेंगे। जेडीयू की ताजा बैठक पर गौर करें तो उसमें भी जोर टकराव के बजाय सरकार से सही तालमेल बनाए रखने पर ही दिखता है। इस बात का संकेत भाजपा नेताओं से करीबी रिश्तों के लिए जाने जाने वाले संजय झा को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने से भी मिलता है। बैठक में खुद नीतीश कुमार का भी यह दोहराना अहम है कि वह अब एनडीए छोड़कर कही नहीं जाने वाले। हालांकि कुछ ऐसी ही बातें वे तब भी करते थे जब बिहार में राजद के साथ थे। बहरहाल राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा पारित प्रस्ताव में भी विशेष राज्य के दर्जे के साथ विशेष पैकेज के जिक्र को इस मायने में अहम माना जा रहा है। कुछ हलकों में तो इसे पार्टी के विशेष राज्य के दर्जे की मांग से पीछे हटने की कोशिश तक बताई जा रही है। हालांकि जेडीयू की ओर से कहा गया है कि यह पीछे हटना नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मांग तकनीकी उलझनों में न फंस जाए। बहरहाल चुनावी और राजनीतिक प्राथमिकताएं अपनी जगह हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद अब सभी पक्षों के लिए उचित यही है कि जनादेश को उपयुक्त सम्मान देते हुए राजनीतिक स्थिरता कायम रखें और पूरे देश के संतुलित विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सहयोग करें। यह बात सियासी मायनों में भी केंद्र सरकार की सहयोगी बडी पार्टियों पर लागू होती है, क्योंकि सियासी परिस्थिति व देश के मत्दाताओं के मूड से हाल ही में पक्ष विपक्ष के सभी दल हतप्रभ-से हैं।

भरोसे की अनुपस्थिति में धैर्य
काम कर जाता है
और उम्मीद की अनुपस्थिति
में समय का हाथ।

आज का इतिहास

- 1644 स्कॉटिश वाचा के संयुक्त बलों और इंग्लिशपैरेंटरीज़ ने संयुक्त राज्य अमेरिका के पास अंग्रेजी नागरिक युद्ध के निर्णायक मुठभेड़ों में से एक, मारस्टन मूर की लड़ाई में रॉयलिस्टों को हराया।
- 1777 वर्मोंट दास प्रथा को समाप्त करने वाला पहला अमेरिकी क्षेत्र बन गया। वर्मोंट संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वोत्तर भाग में एक नया इंग्लैंड राज्य है। इसका क्षेत्र 75त्न जंगलों से आच्छादित है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मेपल सिरप के उत्पादन में अग्रणी है।
- 1777 अमेरिका के वोरमोंट शहर में दास प्रथा की समाप्ति हुई।
- 1816 फ्रांसीसी फ्रिगेट मेउड्यूस ने टोडोडे के मॉरिटानिया के तट से दूर भागते हुए, बचे हुए लोगों के साथ एक अस्थायी दरार पर भाग निकले, जिसे थियोडोर गेराल्ट की पेंटिंग द रफ ऑफ द मेमाडूसा में चित्रित किया गया था।
- 1871 इटली के विक्टर इमैनुएल द्वितीय ने पोप राज्यों से इसे जीतने के बाद रोम में प्रवेश किया। पोप राज्यों को इतालवी प्रायद्वीप में पोप के संप्रभु प्रत्यक्ष शासन के तहत, 700 से 1870 तक शासित किया गया था।
- 1881 अमेरिकी राष्टपति जेम्स ए। गारफील्ड को वॉशिंगटन डी.सी. के बोटालिमोर और पोटोमैक रेलरोड स्टेशन पर बुरी तरह से गोली मार दी गई थी।
- 1890 अमेरिकी कांग्रेस ने शेरमन एंटीट्रस्ट पारित किया एकाधिकार को सीमित करने वाली पहली राज्य सरकार की कार्रवाई थी।
- 1897 इटली के वैज्ञानिक गुग्लिल्मो मार्कोनी को लंदन में रेडियो के लिए पेटेंट मिला। इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे जो लंबी दूरी के रेडियो प्रसारण पर अपने अग्रणी काम और मार्कोनी के कानून और एक रेडियो टेलीग्राफ प्रणाली के

निशाना

आग ना लगाओ !

- कृष्णेन्द्र राय

व्यर्थ की इन बातों को।
मुद्दा ना बनाओ ।।
और भी हैं मुद्दे।
उनको राह दिखाओ ।।
शांति और खुशहाली में।
आग ना लगाओ ।।
क्या सही क्या ग़लत।
जन जन तक पहुंचाओ ।।
तूल देने से बचो।
बातें व्यर्थ वालीं ।।
बन रहा है कब से।
पुलाव बस ख़याली ।।
हवा हवाई से केवल।
है होता नुकसान ।।
देर हो रही होने में।
पुनः विराजमान ।।

सत्तापक्ष व विपक्ष समझे मतदाता की चेतावनी

■ विश्वनाथ सचदेव

अठारहवीं लोकसभा का अधिवेशन प्रारंभ हो गया है। संसद में सरकार की नीति और नीयत को लेकर बहस शुरू हो चुकी है। लेकिन फिर सरकार और विपक्ष दोनों संविधान की रक्षा की दुहाई देकर आमने-सामने हैं। सदन के बाहर विपक्ष के सांसद संविधान की रक्षा के नारे लगा रहे थे और भीतर सत्तारूढ़ पक्ष भी यही बात कह रहा था। बात दोनों एक ही कर रहे थे, पर संदर्भ अलग-अलग थे। ऐसे में एक सामान्य नागरिक का असमंजस समझ में आने वाली बात है। आखिर संविधान की रक्षा का मतलब क्या है?

मतलब यह है कि जिन मूल्यों और आदर्शों को आधार बनाकर संविधान की रचना की गयी थी, सांसद पूरी ईमानदारी के साथ उनका पालन करें। यह तो आने वाला कल ही बतायेगा कि हमारे राजनेता कितनी ईमानदारी के साथ यह काम करते हैं, लेकिन संसद के इस अधिवेशन का आगाज बता रहा है कि अंजाम कुछ हल्लेदार ही होगा। शुरुआत प्रधानमंत्री ने कर ही दी है। सत्र प्रारंभ होने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने दो-तीन ऐसी बातें कही हैं जिनकी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। मसलन, उन्होंने यह दोहराना ज़रूरी समझा कि मतदाता ने उनकी पिछली सरकार की नीति और नीयत में विश्वास प्रकट करके ही उन्हें लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दायित्व सौंपा है।

बात यहीं से शुरू होती है। यह सही है कि लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है पर यह नहीं भूल जाना चाहिए कि पिछली दो पारियों में भाजपा का अपना स्पष्ट बहुमत था और सहयोगी दल भाजपा की अनुकंपा से ही सरकार का हिस्सा बन सके। इस बार स्थिति ऐसी नहीं है, भाजपा सबसे बड़ा दल ज़रूर है, पर यह मिली-जुली सरकार बैसाखियों के सहारे राज करेगी। इसलिए प्रधानमंत्री को अपनी छवि बनाए रखने के लिए समझौतावादी दृष्टिकोण के साथ काम करना होगा– यह रुख विपक्ष के प्रति ही नहीं, अपने सहयोगी दलों के प्रति भी अपनाना होगा। चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगू देसम पार्टी (टीडीपी) और नीतीश की जेडीयू कब क्या रुख अपना ले, कहा नहीं जा सकता। यह सही है कि फिलहाल इन दो दलों की भूमिका को लेकर कोई आशंका नहीं है, पर राजनीति संभावनाओं का खेल है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक सार्वजनिक सभा में नायडू पर व्यंग्य करते हुए उन्हें 'दल बदलने में और खुद के ससुर की पीठ में छुरा घोंपने में सीनियर' बताया था और इसके कुछ ही अर्सा बाद टीडीपी के नेता नायडू ने यह कहकर जैसे बदला चुकाया था कि 'मैं पहला आदमी था जिसने 2002 के दंगों के बाद उनसे (मोदी से) इस्तीफा मांगा था'। तब चंद्रबाबू नायडू ने मोदी जी को अतिवादी तक कह दिया था। राजनीतिक स्वार्थ के चलते हमारे नेता ऐसी बातों को भुला देने का नाटक अच्छी तरह कर लेते हैं, पर राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं होता।

बहरहाल, संसद का सत्र प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री ने मीडिया के समक्ष दो-तीन ऐसी बातें की हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जाना चाहिए। मसलन, प्रधानमंत्री का यह कहना कि जनता सदन में तमाशा नहीं देखना चाहती, हो-हल्ला भी नहीं, विपक्ष के निशाने पर रहेगा। मज़बूत विपक्ष लोकतंत्र को मज़बूत बनाता है, और इस बार लोकसभा में विपक्ष पिछली बार की तरह इतना कमज़ोर नहीं है कि सरकार उसे हल्के में ले सके। यह भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि बनारस के मतदाता ने इस बार प्रधानमंत्री को उतना समर्थन नहीं दिया है जितना पिछली दो बार उन्हें मिला था। ऐसे में, भले ही प्रधानमंत्री अपनी दबंग नेता वाली छवि को बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं, पर वस्तुस्थिति यह है कि अब वह पहले जितने कद्दावर नेता नहीं रहे। स्पष्ट है, पिछली दो बार की तरह वे अब मनमानी नहीं कर पाएंगे। स्थिति यह है कि एक ओर तो विपक्ष जो अब पहले से कहीं अधिक बलशाली है, और अधिक आक्रामक हो सकता है। दूसरी ओर भाजपा के भीतर भी ऐसी स्थितियां पनप सकती हैं जो प्रधानमंत्री को कमज़ोर बना दें। इस संदर्भ में भाजपा की पितृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व के बदले तेवरों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता।

भाजपा के नेतृत्व को यह भी समझना होगा कि चुनाव में इस बार पहले जैसी सफलता का न मिलना यह भी बताता है कि उसका जन-समर्थन कम हुआ है। बात सत्ता विरोधी रुख तक सीमित नहीं है। यह एक चेतावनी है भाजपा के लिए, विशेषकर प्रधानमंत्री के लिए कि उनकी शासन-व्यवस्था में खामियां थीं। महंगाई और बेरोज़गारी जैसे बुनियादी सवालों को पिछली सरकार ने उतनी गंभीरता से नहीं लिया, जितनी गंभीरता से लेना चाहिए था। यह बात भाजपा के नेतृत्व को समझनी होगी कि मतदाता को जेब में रखने वाली सोच कभी सही नहीं हो सकती। मुफ्त अनाज और नकद सहायता जैसे कदम मतदाता को सीमित रूप से ही प्रभावित करते हैं। भरोसा नहीं जगाते सरकार के प्रति। प्रधानमंत्री तो यह भरोसा भी दिलाना चाहते हैं कि उन्हें लगता है कि वे दैवी कृपा का पात्र बनकर ईश्वर द्वारा भेजे गये हैं। हाल ही में उन्होंने इस आशय का बयान भी दिया था कि उन्हें ईश्वर ने किसी बड़े काम के लिए भेजा है! यह बड़ा काम क्या है यह उन्होंने स्पष्ट नहीं किया, लेकिन चुनाव-परिणाम बता रहे हैं कि कुल मिलाकर मतदाता उनकी ऐसी बातों से प्रभावित नहीं हुआ है। जनता को ठोस परिणाम चाहिए, जुमलों का गुलदस्ता नहीं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने छोटे से भाषण में कुछ भी कहना ज़रूरी नहीं समझा।

हां, 25 जून के हवाले से उन्होंने एक बात अवश्य कही जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह बताना जरूरी समझा कि 50 साल पहले इसी दिन देश में आपातकाल लागू किया गया था और विरोधी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। वह काल हमारे लोकतंत्र का एक काला अध्याय है। यह बात कहकर संभवत- प्रधानमंत्री कांग्रेस पार्टी को एक तरह से चेतावनी दे रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अब कोई देश में आपातकाल लागू नहीं कर पायेगा। संविधान में संशोधन करके जनता पार्टी की सरकार ने ऐसी व्यवस्था तो कर दी थी कि फिर कोई शासक आपातकाल लागू न कर पाये, पर शासक के मन में एकाधिकारवादी सोच पनप ही न पाये ऐसी व्यवस्था सिर्फ देश का मतदाता ही कर सकता है। इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि अति लोकप्रियता किसी भी शासक को अहंकार और तानाशाही सोच से भर सकती है। इसलिए चुनाव-परिणाम को इस तरह से भी समझा जाना ज़रूरी है कि मतदाता ने एक गंभीर चेतावनी दी है। यह चेतावनी सिर्फ सत्तारूढ़ पक्ष के लिए ही नहीं है, विपक्ष को भी समझना होगा कि देश का मतदाता उससे भी बहुत अपेक्षाएं रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और विपक्ष दोनों ही इस चेतावनी की गंभीरता को समझेंगे। जहां तक संविधान की रक्षा का सवाल है तो यह काम देश का जागरूक नागरिक अधिक प्रभावी ढंग से कर सकता हैङ्क अभी उसने संकेत दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस संकेत को हमारे राजनेता समझेंगे।

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

नागरिक सत्ता और सेना के रिश्ते को सुधारें, एनएसएस लाएं, सीडीएस का बोझ कम करें

■ ले. जनरल प्रकाश मेनन

2024 के लोकसभा चुनाव और उसके नतीजों ने भारत की लोकतांत्रिक छवि को निश्चित रूप से मजबूत किया है. तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनी केंद्र सरकार किस दिशा में आगे बढ़ती है, यह उसकी नीतियों और कार्रवाइयों से स्पष्ट हो जाएगा. इससे यह भी स्पष्ट होगा कि वह चुनावी नतीजे के व्यापक राजनीतिक आयामों को किस हद तक स्वीकार करती है. वैसे, यह आकलन बेशक व्यक्तिनिष्ठ ही होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा और खासकर नागरिक-सैनिक संबंध के मामले में सुधारों का रास्ता हमेशा लंबा और अंतहीन ही होता है. सुधारों की निरंतर कोशिश कितनी महत्वपूर्ण है इसे बताने की ज़रूरत नहीं. इसकी ज़रूरत इस तथ्य की वजह से है कि राजनीतिक नेतृत्व राजकाज चलाने में सैन्य तंत्र का उपयोग तो करता है और उसे स्वरूप भी प्रदान करता है, लेकिन सैन्य मामलों के बारे में उसका ज्ञान पेशेवर सैन्य नेतृत्व द्वारा दी गई जानकारियों के बिना ज़ाहिर तौर पर अपर्याप्त होता है. ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि सैन्य बल के जरिए जो राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए जाने हैं उन्हें ठोस रूप राजनीतिक और सैन्य नेतृत्वों के बीच गहरे संवाद के जरिए ही दिया जाना चाहिए. ऐसे संवादों को लक्ष्यों, क्षमताओं, आवश्यक संसाधनों और जोखिमों के बारे में आपसी समझदारी का सहारा मिलना ही चाहिए. नागरिक-सैन्य संबंधों का प्रथम लक्ष्य जटिल होते राजनीतिक, रणनीतिक, तकनीकी, आर्थिक और भू-राजनीतिक माहौल में सेना की प्रभावशीलता को मजबूत बनाना होना चाहिए. आपसी समझदारी के अभाव में राजनीतिक नेतृत्व या तो सेना की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाएगा या उससे अपनी क्षमता से बाहर के काम करवाने की कोशिश करेगा. भारत के संवैधानिक ढांचे में राष्ट्रपति सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर होता है, जो नागरिक सत्ता को वरीयता प्रदान करता है, लेकिन जिस सेना से ताकत के इस्तेमाल की अपेक्षा की जाती है वह एकमात्र पेशेगत सत्ता है जो ब? पैमाने पर हिंसा को रोकने और देश को दुश्मनों द्वारा हिंसा फैलाने की कोशिश से सुरक्षा देने के लिए जिम्मेदार होती है. इसका अर्थ यह है कि नागरिक सत्ता की सर्वोच्चता के बावजूद राजनीतिक नेतृत्व सैन्य रणनीति को स्वरूप देने और उसे लागू करने के लिए सैन्य परामर्श पर बहुत हद तक निर्भर होता है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद का निर्माण 1 जनवरी 2020 को किया गया. आदेश दिया गया कि सीडीएस तीनों सेनाओं के मामलों में रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार की और न्यूक्लियर कमांड ऑथरिटी (एनसीए) के सैन्य सलाहकार की भूमिका निभाएंगे. ये भूमिकाएं सेना के विकास और संभावित उपयोग से संबंधित होंगी, जबकि एनसीए सिर्फ परमाणु हथियारों के उपयोग के मामले देखेगी।इसके साथ सीडीएस को दो और जिम्मेदारियां निभानी हैं – एक तो सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के सेक्रेटरी की और दूसरी चीफ ऑफ द स्टाफ कमिटी के स्थायी चेयरमैन (पीसीसीओएससी) की. इन पदों की सलाहकार वाली भूमिका को शांति काल में निभाना चुनौतीपूर्ण होता है और सुरक्षा संकट तथा युद्ध के काल में और भी कठिन होता है. सीडीएस को डीएमए के सेक्रेटरी की ि़म्मेदारी से मुक्त करने के पक्ष में जोरदार तर्क दिए जाते हैं. यह ि़म्मेदारी केंद्र सरकार उठा सकती है. इसके साथ बहुप्रतीक्षित थिएटर कमांड की स्थापना की जा सकती है. उम्मीद है कि एनडीए सरकार इसकी स्थापना को प्राथमिकता देगी.

युद्ध काल में सलाहकार वाली भूमिका और थिएटर कमांडरों की ऑपरेशन संबंधी भूमिका के महत्व पर विचार करने पर आदर्श स्थिति तो यही लगती है कि सीडीएस की केवल दो जिम्मेदारियां होनी चाहिए – रक्षा मंत्री के प्रधान सैन्य सलाहकार की और एनसीए के सैन्य सलाहकार की. उन पर ऑपरेशन से संबंधित किसी भूमिका का बोझ न डाला जाए. इसका अर्थ यह भी हुआ कि एक अलग (पीसीसीओएससी) की नियुक्ति की जानी चाहिए. सीडीएस को जब ज़रूरी हो तब 'सीओएससी' या थिएटर कमांड के गठन के बाद ऐसे ही किसी संगठन की बैठक में आमंत्रित किया जाए. नागरिक सत्ता और सेना के संबंधों का एक सबसे महत्वपूर्ण तत्व है वैश्विक तथा क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल के बारे में साझा आकलन. इस साझा समझदारी से राष्ट्रीय सुरक्षा को पहुंचने वाले खतरों के स्वरूप तथा संभावना का पता चलेगा और उन अवसरों के बारे में भी पता चलेगा कि जिनका लाभ उठाया जा सकता है. इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) की ज़रूरत होगी, जो थिएटर कमांड की तरह अपूर्ण आकांक्षा बनी हुई है. 2018 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की अध्यक्षता में एक शीर्ष स्तरीय 'डिफेंस प्लानिंग कमिटी' (डीपीसी) का गठन एनएसएस और नेशनल डिफेंस स्ट्रेटजी बनाने के लिए किया गया. डीपीसी

को रक्षा मंत्रालय में 'इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ' (आईडीएस) के मुख्यालय में स्थापित किया गया, लेकिन इसके बाद उसमें क्या प्रगति हुई इसकी कोई जानकारी नहीं है. नई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के एक हिस्से नेशनल सिक्यूरिटी एड्वाइज़री बोर्ड (एनएसएबी) को एनएसएस तैयार करने का काम सौंपे और वार्षिक समीक्षा को संस्थागत रूप दे. माना जाता है कि एनएसए के अधीन काम करने वाले एनएसएबी में बहुपक्षीय प्रतिनिधित्व है. इसमें सरकार के बाहर के लोग हैं, मुख्यतः सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी और निजी क्षेत्र तथा शैक्षिक क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं।

एनएसएस के निर्माण के लिए एनएसएबी उपयुक्त मंच है क्योंकि यह नीति निर्माण की सर्वोच्च स्थिति में है. यह जरूरी विशेषज्ञता हासिल कर सकता है और खुफिया जानकारियां तथा सूचनाएं हासिल कर सकता है. के. सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व वाले प्रथम एनएसएबी ने भारत का परमाणु सिद्धांत बनाया था. यह सिद्धांत आज तक अपने मूल रूप में कायम है, यह एनएसएबी की क्षमता का प्रमाण है। राजकाज के विभिन्न साधनों – सेना, अर्थव्यवस्था, कूटनीति, टेक्नोलॉजी, खुफिया जानकारी तथा सूचानाएं आदि – के विकास की दीर्घकालिक योजना 'एनएसएस' के मार्गदर्शन पर निर्भर होती है. दूसरी ओर, भंडार में उपलब्ध तात्कालिक संसाधनों का उपयोग करने वालों के लिए 'एनएसएस' की कमी की भरपाई व्यापक नीतियों और प्रभावी साधनों से की जा सकती है, लेकिन यह तर्क दीर्घकालिक योजना के लिए कारगर नहीं हो सकता कि भारत 'एनएसएस' के बिना भी अच्छी तरह काम चला रहा है. राजकाज के साधनों के विकास के लिए सीमित संसाधनों का आवंटन ज़रूरी है ताकि यह उपयोग करने वालों के लिए उपलब्ध हो। उच्च स्तरीय सैन्य नेतृत्व का चयन राजनीतिक नेतृत्व का विशेषाधिकार है, लेकिन यह चयन मुख्यतः पेशेगत क्षमता पर आधारित होना चाहिए. सैन्य विशेषज्ञता रखने वालों की ओर से साफ सलाह आनी चाहिए और उन्हें नेताओं का जी-हुजूर नहीं होना चाहिए. इसके लिए ज़रूरी है कि सैन्य नेतृत्व निजी हितों की जगह राष्ट्रीय हितों के बारे में पेशेगत धारणा को तरजीह दे. राजनीतिक नेतृत्व इस तथ्य के प्रति संवेदनशील रहे कि सैन्य नेतृत्व के चयन में वरिष्ठता को लांघने का मामला अपवाद ही हो. नियमों का उल्लंघन करने का जो माहौल है उसे खत्म किया जाए. पिछले दिनों सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पाण्डेय का कार्यकाल अचानक एक महीने के लिए जिस तरह ब?ाया गया और उसके बाद जो अटकलें तेज़ हुईं उसने ऐसा माहौल बनाया जिसे ठीक करना जरूरी है.

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और उसके आनुषंगिक राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रणनीति पर आधारित राजनीतिक मार्गदर्शन की लंबे समय से प्रतीक्षा है. ऐसी कमजोरियां अक्सर अनावश्यक समस्याएं पैदा करती हैं, जैसे सेना के उच्च पदों के लिए चयन में राजनीतिक दबदबा; सीडीएस पर कई जिम्मेदारियों का बोझ, जो सलाहकार के रूप में उनकी भूमिका को प्रभावित कर सकता है; और थिएटर कमांड के गठन में देरी. इन कारकों का सेना की तैयारियों और उसके प्रभाव पर जो नकारात्मक असर प?ेगा उस पर विचार करते हुए नयी सरकार को तेज़ी से कदम उठाना चाहिए ताकि वैश्विक तथा क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनावों के गहराते सायों के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके।

(साभार- लेखक तक्षशिला संस्थान में सामरिक अध्ययन कार्यक्रम के निदेशक हैं, यह उनके विचार हैं)

नवीन कानून की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने हेतु किया गया शिविर का आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार थाना कोतवाली नर्मदापुरम् में नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जानकारी आम नागरिक तक पहुंचाने हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली व पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह द्वारा की गई। शिविर में पुलिस महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पराग सैनी साहब, थाना प्रभारी कोतवाली सौरभ पांडे, एडीपीओ राजकुमार नेमा तथा एडीपीओ दिनेश यादव द्वारा नवीन कानून के संबंध में विस्तार से चर्चा कर समझाया कि नए कानून आमजन के जीवन में किस प्रकार मददगार साबित होंगे तथा अपराधियों को सजा दिलाने में कारगर साबित होंगे।

महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान

नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के लिए सख्त सजा के प्रावधान किए गए हैं। प्रस्तावित भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में पहला अध्याय अब महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध से संबंधित सजा के प्रावधानों से संबंधित है। इन प्रावधानों के अनुसार जहां बच्चों से अपराध करवाना व उन्हें आपराधिक कृत्य में शामिल करना दंडनीय अपराध होगा वहीं नाबालिग बच्चों की खरीद-फरोख्त जघन्य अपराधों में शामिल की जाएगी। नाबालिग से गैंगरेप किए जाने पर आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान है। नए कानूनों के अनुसार पीड़ित का अभिभावक की उपस्थिति में ही बयान दर्ज किया जा सकेगा। इसी प्रकार नए कानूनों में महिला अपराधों के संबंध में अत्यंत सख्ती बरती गई है। इसके तहत महिला से गैंगरेप में 20 साल की सजा और आजीवन कारावास, यौन संबंध के लिए झूठे वादे करना या पहचान छिपाना भी अब अपराध होगा। साथ ही पीड़िता के घर पर महिला अधिकारी की मौजूदगी में ही बयान दर्ज करने का भी प्रावधान है। इस प्रकार नए कानून में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध घटित करने वालों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में कड़ी सजा के प्रावधान हैं।

नए कानूनों में खास

अदालतों में पेश और स्वीकार्य साक्ष्य में इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल, सर्वर लॉग, कंप्यूटर, स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, स्थानीय साक्ष्य, मेल, उपकरणों के मैजेस को शामिल किया गया है। केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और फैसले सहित सभी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड का कानूनी प्रभाव, वैधता और प्रवर्तनीयता कागजी रिकॉर्ड के समान ही होगी। अब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भी न्यायालयों में पेशी हो सकेगी। अब 60 दिन के भीतर आरोप तय होंगे और मुकदमा समाप्त होने के 45 दिन में निर्णय देना होगा। वहीं सिविल सेवकों के खिलाफ मामलों में 120 दिन में निर्णय अनिवार्य होगा। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अंतर्गत मामलों की तय समय में जांच, सुनवाई और बहस पूरी होने के 30 दिन के भीतर फैसला देने का प्रावधान है। इसी प्रकार छोटे और कम गंभीर मामलों के लिए समरी ट्रायल अनिवार्य होगा।

जर्जर अवस्था में स्कूल को 5 साल पहले तोड़ने का हुआ था आदेश, आज भी लग रहा है स्कूल

पांच साल के बालक के ऊपर गिरा स्कूल का गेट, सिर में गंभीर चोट

गांव के मात्र तीन बच्चे को पढ़ाने जाते हैं दो शिक्षक

संतोष सिंह चंदेल, सिवनी मालवा

सिवनी मालवा के विकासखंड के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायत ऐसी है जहां पर शासकीय स्कूलों की स्थिति बद से बदतर है कई जगह तो शिक्षक पढ़ाने के नाम पर शासन से एक मोटी पगार लेने के बाद भी समय पर स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं। शर्मसार कर देने वाली बात तो यह है आदिवासी बहुल क्षेत्र में शिक्षा के इस मंदिर मे आज भी कई स्कूलों में शिक्षक शराब के नशे में स्कूल पहुंचते हैं तो वहीं दूसरी ओर जर्जर अवस्थाओं में खंडहर हो चुके स्कूलो में क्लास लगाकर उन नन्हे मुन्ने बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं जो एक जांच का विषय है। ऐसा ही एक मामला बीते रोज सामने आया ग्राम धामनी के कंडम प्राथमिक शाला भवन का प्रवेश गेट गिर जाने के कारण एक बालक के सर मे गंभीर चोट आई हैं। बालक शिव पिता आनंद सिंह राजपूत 5 साल को परिजनों द्वारा सिवनी मालवा के प्रायवेट अस्पलताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी मिली है कि इस शाला भवन को पिछले 5 साल पहले कंडम घोषित करने के बाद भी आज भी इसी भवन में स्कूल लग रहा है। मजे वाली बात तो यह है चुनाव का मतदान केन्द्र भी यही कंडम शाला भवन रहता है।

घायल बालक शिव राजपूत शाला का विद्यायर्थी नहीं है लेकिन उसकी बहन इसी स्कूल में अध्ययनरत है। आंगनबाड़ी भी इसी स्कूल में लगती गांव में आंगनवाड़ी भवन नहीं होने के कारण शिव भी इसी स्कूलों में गया हुआ था। जहां शाला का प्रवेश गेट गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। पहुंच बिहिन अत्यन्त दुर्गम क्षेत्र में बसा ग्राम धामनी के प्राथमिक शाला में अधिकारियों की बेजा लापरवाही देखी जा रही है। पिछले 5 साल पहले शाला भवन को कंडम घोषित कर दिया गया किन्तु फिर भी शाला लगातार लगाई जा रही है।

इनका कहना है

पिछले शिक्षा सत्र में शाला में कुल 8 विद्यायर्थी थे जिन पर 2 शिक्षक कार्यरत है इन 8 बच्चों में से 5 बच्चों ने डीसी ले गये वर्तमान शिक्षा सत्र में 3 बच्चे पढ़ते हैं और 2 शिक्षक नियुक्त हैं। कक्षा पहली में बच्चों की आयु बढ़ा देने से अभी तक कोई प्रवेश नहीं हो पाया है।

आशा उईके
शिक्षिका प्राथमिक शाला ग्राम धामनी

शिक्षक पालक संघ के पूर्व अध्यक्ष सुधीर बुंदेला ने बताया कि मैने व्यक्तिगत रूप से बीआरसी, जिला शिक्षा अधिकारी, एसडीएम और विधायक को भी इस समस्या से कई बार अवगत करा चुका हु लेकिन किसी भी अधिकारी और क्षेत्रीय विधायक ने आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की।

सुधीर बुंदेला

हमने जिले की डीपीसी की वार्षिक बैठक की कार्ययोजना के अन्तर्गत सिवनी मालवा क्षेत्र की 9 शाला भवनों की डिमांड की है। जो जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी हैं जिसमे बच्चों को पढ़ाया नहीं जा सकता जिसमें से ग्राम धामनी की शाला भवन भी सामिल है।

संगीता यादव, बीआरसी, सिवनी मालवा।

पौधारोपण व कवि सम्मेलन कर मनाया स्थापना दिवस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

स्वर्णकार युवा क्रांति मंच का 7 वां स्थापना दिवस उत्साह से मनायागया।इस अवसर पर छायादार, फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के तहत स्वर्णकार युवा क्रांति मंच के संचालक-संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय कुमार सोनी दिल्ली का जन्म दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम में पधारे अतिथि गण सहित समस्त आगंतुकों व स्वर्णकार युवा क्रांति मंच परिवार मध्यप्रदेश ने सर्व स्वर्णकार समाज की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामना? दी गई.

स्वर्णकार युवा क्रांति के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं ज़िला अध्यक्ष शिवानंद सोनी ने बताया कि स्वर्णकार युवा क्रांति मंच द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.अतुल सेठा थे। उन्हें इस अवसर पर मंच की ओर से ÷गौरव पत्र÷ प्रदान कर सम्मानित किया।इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी कई पुरस्कार प्राप्त श्रीमती नीरजा विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थीं। मीडिया प्रभारी श्री सोनी ने बताया इस अवसर पर मंच ने ÷स्वास्थ्य पर नशा का दुष्प्रभाव÷ विषय पर विचार संगोष्ठी, प्रतिभाओं का सम्मान, वृक्षारोपण, साहित्यिक आयोजन कविगोष्ठी की गई। इस कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान अंतर्गत वरिष्ठ समाजसेवी एवं चिकित्सा के क्षेत्र में वरिष्ठ डॉक्टर अतुल सेठा, समाज सेवा के क्षेत्र में सेवानिवृत्त शिक्षक रामशंकर सोनी, लल्ला सोनी, श्याम सोनी को गौरव पत्र से सम्मानित किया गया। इस आयोजन में सामाजिक गण, वरिष्ठ समाजसेवी, साहित्यकार उपस्थिति हुए।

नमन सोनी, सृष्टि सोनी, श्रीमती साधना सोनी, प्रभु स्वामी ने उपस्थित होकर विशेष सहयोग प्रदान किया। गिरि मोहन गुरु वरिष्ठ साहित्यकार, सुभाष भारती यादव, ओज कवि महेंद्र बिदृ?ही सहित मीडिया प्रभारी शिवानन्द सोनी ने भी कवि गोष्ठी में कविता पाठ किया व संगोष्ठी में अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी शिवानंद सोनी ने तथा आभार लल्ला सोनी ने व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में दीक्षारंभ के प्रथम दिवस उत्साह पूर्वक कॉलेज पहुंचे विधार्थी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा कॉलेज में सोमवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम का प्रथम दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत कॉलेज की कार्यशैली, अनुशासन, कक्षाओं के समय के साथ उच्च शिक्षा विभाग में प्रवेश के नियमों और आत्म अनुशासन आदि पर प्राध्यापकों के माध्यम से प्रकाश डाला गया। डॉ हंसा व्यास ने संचालन करते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य कालेज की शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक ,कार्यालयीन और सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित कराना बताया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों के साथ स्मार्ट क्लास, खेल, लाइब्रेरी, संगीत, फाइन आर्ट आदि पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सम्मिलित होने और उनसे प्राप्त प्रमाण पत्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को विभिन्न आयामों से कौशल विकास और एन ई पी बहुविषयक प्रणाली से किस तरह लाभान्वित हों मार्गदर्शन दिया। इस दौरान आई टी प्रभारी डॉ कमल वाधवा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विशिष्ट प्रावधानों पर अपना वक्तव्य केंद्रित किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति की बहु विषयक मुख्य, गौण, वैकल्पिक विषय चयन प्रणाली,प्रोजेक्ट आदि पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें विषय चयन और मूल्यांकन प्रक्रिया द्वारा बहुआयामी विकल्पों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि पीयूष शर्मा ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए समयानुशासन बनाना और चुनौतियों से जूझना ही उच्च शिक्षा में निवेश करना बताया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अमिता जोशी ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को बताया कि समय का सदुपयोग कैसे करें, सांस्कृतिक, साहित्यिक विधाओं में शामिल होना भी भी पाठ्यक्रम का हिस्सा ही है।

पंजीयन में नव प्रवेशित कला, वाणिज्य,

विज्ञान, विधि और बीसीए के विद्यार्थियों की संख्या लगभग 236 रही। कार्यक्रम में प्राध्यापकों का परिचय भी दिया गया। डॉ अपूर्वा वर्मा, श्रीमती रागिनी मालवीय, श्रीमती रुपाली शर्मा द्वारा पंजीयन का कार्य किया गया। इस दौरान ऑडिटोरियम में रोटरी क्लब द्वारा रक्तदान कार्यक्रम भी चलाया गया। जिसमें डॉ सिद्धेश शर्मा ने रक्तदान को पुण्य कार्य बताते हुए उसके सामाजिक और सामुदायिक महत्व विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में समाजसेवी राकेश फौजदार, श्रीमती नीरजा फौजदार, श्रीमती सुनीता अग्रवाल उपस्थित रहे। डॉ संजय चौधरी डॉ एस सी हर्ने, डॉ के जी मिश्र, डॉ बी एल राय, डा कमल चौबे, डॉ ममता गर्ग, डॉ कल्पना विश्वास, डॉ दिनेश श्रीवास्तव, मनोज यादव, नितिन सोनी, डॉ अंजना यादव,डा रुपा भावसार सहित समस्त प्राध्यापकों का सराहनीय योगदान रहा।

गैस की केवाईसी के नाम पर ले रहे हैं 150 रूपए, जबरदस्ती दे रहे गैस नली

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

अत्यधिक महंगाई के बोझ में दबा चला जा रहा एक आम आदमी किस प्रकार से अपना परिवार चला रहा ऐ उसके दिल पर हाथ रखकर पूछा जा सकता है। इस महंगाई के दौर में परिवार चलाना कितना जोखिम का काम हो गया है। वही दूसरी और गैस के बढ़ते दामों को लेकर आम उपभोक्ता परेशान है तो इधर सिवनी मालवा की गैस एजेंसी के द्वारा गैस की केवाईसी करवाने के नाम पर 150 रुपए लिए जा रहे हैं और गैस उपभोक्ताओं को जबरदस्ती गैस पाइप दिया जा रहा है। जब हमने इस विषय में गैस एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल से बात की तो उन्होंने बताया कि लोगो की सेफ्टी के लिए गैस पाइप दी जा रही है हमारे ऊपर 6 हजार गैस नलियों को बेचने का दबाव बना हुआ है जो हमारे कंपनी के अधिकारियों द्वारा बनाया गया। अब प्रश्न यहां पर इस बात का उठना लाजमी है कि कंपनी का गैस सचालक के ऊपर बनाया गया नाली का दबाव जबरदस्ती का सौदा आम उपभोक्ताओं के साथ क्यों ?

इनका कहना है

गैस उपभोक्ताओं को गैस की केवाईसी करवाना अनिवार्य है उपभोक्ता अपनी केवाईसी जरूर करवाए लेकिन इस केवाईसी का कोई भी चार्ज गैस एजेंसी नहीं ले सकती है। आपके माध्यम से पता चला है कि केवाईसी के नाम पर गैस पाइप दिया जा रहा है अगर उपभोक्ता चाहे तो गैस पाइप ले सकता है नहीं तो जरूरी नहीं है उपभोक्ता अपना बगैर नली लिए भी केवाईसी करवा सकता है।

***विनय सैनी** फूड इंस्पेक्टर सिवनी मालवा*

मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर को

रायसेन । मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 की संदर्भ तारीख के आधार पर बनाई जाएगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को होगा। सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और उनका प्रशिक्षण 2 जुलाई 2024 तक किया जाएगा। मतदान केंद्रों का युक्ति-युक्तिकरण का प्रस्ताव तैयार कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 4 जुलाई तक दिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर पूर्व संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा को दी गई भावभीनी विदाई

मेरा सौभाग्य है कि मैं शर्मा से प्रभार ले रहा हूं:संभागायुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पूर्व संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा ने कहा कि नर्मदापुरम संभागायुक्त बनने के बाद उनकी सबसे पहली प्राथमिकता राजस्व कोर्ट में लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने में थी। राजस्व के प्रकरणों का निराकरण करना उनकी पहली प्राथमिकता थी। डॉक्टर पवन कुमार शर्मा ने बताया कि नर्मदा पुरम संभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बहुत अच्छे हैं, कोई भी कार्य या फाइल पेंडिंग नहीं रहती है। कलेक्टर लेबल पर समन्वय से सभी कार्य हो जाते हैं। डॉक्टर शर्मा ने कहा कि जहां अधिकारी के पास दो चार्ज रहते हैं वहां थोड़ी कार्य की गुणवत्ता में कमी आती है ,लेकिन नर्मदा पुरम संभाग में ऐसा नहीं हुआ। नर्मदा पुरम संभागायुक्त रहते हुए कई बड़े कार्य संपन्न कराए गए। जिनमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का पिपरिया में आयोजित कार्यक्रम था, उस दौरान भारी बारिश हो रही थी और ऐसा लग रहा था कि कार्यक्रम संभव नहीं हो पाएगा। लेकिन सभी की मेहनत से असंभव कार्य संभव हुआ। डॉक्टर शर्मा ने कहा कि नर्मदापुरम मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में भोपाल संभाग से आगे है। डॉक्टर शर्मा ने कहा कि नए संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी टाइम के पाबंद है। अनुशासित और कमिटमेंट अधिकारी हैं। कानून का अच्छा नॉलेज है। वह नर्मदापुरम को एक अच्छी लीडरशिप देंगे।

सोमवार को निवृत्तमान संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा की विदाई समारोह का आयोजन आयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में किया गया।

डॉक्टर पवन कुमार शर्मा ने अपने 11 माह के कार्यकाल का स्मरण करते हुए करते हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों का सहयोग देने के लिए आभार माना। कार्यक्रम में नवागत संभागायुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं डॉक्टर पवन कुमार शर्मा से प्रभार ले रहा हूं। उन्होंने बताया कि छिंदवाड़ा में प्रशिक्षु अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने तत्कालीन छिंदवाड़ा कलेक्टर पवन कुमार शर्मा से काफी कुछ सीखा। डॉ शर्मा हर अधिकारी को कार्य में फ्री हैंड देते हैं और उन पर पूरा विश्वास करते हैं।इसके पूरे विदाई समारोह में संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने पूर्व संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में इटारसी एसडीएम टी प्रतिक राव, अपर आयुक्त आरपी सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त उपायुक्त विकास जी सी दोहर एवं सभी संभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे। विदाई समारोह में अपने अनुभव साझा करते हुए अपर आयुक्त आरपी सिंह ने बताया कि पूर्व संभागायुक्त डॉ पवन कुमार शर्मा के साथ 11 महीने का कार्यकाल बहुत ही अच्छा बीता। इस दौरान विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव भी संपन्न कराए गए। इस दौरान हरदा में फटाका विस्फोट की भी घटना हुई। इन तीनों कार्यों में डॉ शर्मा ने जिला प्रशासन का मार्गदर्शन किया। डॉक्टर शर्मा के कार्य करने का तरीका बहुत ही सरल है। हमेशा एक साथी के रूप में महसूस कराते हैं। उन्होंने कहा कि जैसा सहयोग डॉ शर्मा को दिया गया वैसे ही सहयोग वर्तमान संभागायुक्त को भी देंगे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने कहा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का कार्यक्रम पिपरिया में आयोजित किया गया था, उसे दौरान बारिश के कारण विकट परिस्थितियों थी। लेकिन पूर्व संभागायुक्त के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्वयं प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। विदाई समारोह में संभागायुक्त कृष्ण कुमार तिवारी ने पूर्व संभागायुक्त डॉक्टर पवन कुमार शर्मा को स्मृति चिन्ह भेट किया। सभी संभागीय अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेटकर डॉक्टर शर्मा को भावभीनी विदाई दी।

कृषक के साथ मारपीट अनाज चोरी करने वाले तुलावट को एसडीएम ने मंडी से किया बाहर

मंडी में किसान की उपज पर डाका डालने, मारपीट करने वालों पर नहीं हुई एफआईआर

दोपहर मेट्रो
खबर का असर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

किसान की फसल गयाब करने तथा मारपीट करने वाले हम्मलो तुलावटों पर मंडी प्रशासन ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया था जिसका समाचार रविवार के अंक में हमारे सवांददाता द्धारा प्रकाशित करके पूरे मामले को एसडीएम के संज्ञान में लाया था इसके बाद एसडीएम हर्षल चौधरी फसल चोरी और मारपीट करने वाले मामले को किसने कितना गंभीरता से लेते हुए सोमवार को तुलावत को मंडी से निलंबित कर दिया और पूरे मामले की जांच करके प्रकरण दर्ज करवाने के निर्देश भी मंडी के प्रभारी सचिव को दिए गए हैं साथ हम्मलो को नोटिस जारी करने की बात प्रभारी सचिव के द्वारा कही जा रही है। चार दिन पहले देवी टोरी के किसान रवि यादव अपनी फसल बेचने के लिए आए थे जिसको राधा वल्लभ ने खरीदी थी तभी उनकी उपज को कम कर दिया जिसका विरोध करने पर किसान के साथ मारपीट की घटना भी हुई थी इसके बाद किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने कृषि उपज मंडी में कृषक की उपज चोरी करने वाले तुलावट हम्मालो पर कार्रवाई की मांग की थी काफी देर तक प्रदर्शन भी किया था इसके बाद प्रभारी सचिव ने फिर के लिए आधा अधूरा आवेदन दे दिया था दूसरी ओर तिलावत को नोटिस भी जारी किया था जिसका जवाब नहीं देने पर मंडी प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए तुलावट को मंडी से बाहर कर दिया। इससे पहले भी कई बार किसानों की फसल चोरी करने के बाद इस तरह की घटना का अंजाम दिया जा चुका है। पिछले कुछ समय से किसनों हित में लगातार एसडीएम हर्षल चौधरी के द्वारा अनाज चोरी करने वालों को मंडी से बाहर करने के साथ कड़ी करवाई की जा रही है फिर भी इनके रवैया में परिवर्तन नहीं हो रहा है दूसरी ओर चार दिन भी जाने के बाद भी मंडी प्रशासन किसान के साथ मारपीट और अनाज चोरी करने वालों पर मामला दर्ज नहीं करवा पाया है ।शनिवार को फिर से आवेदन देने के लिए थाना प्रभारी ने आवेदन लौटा दिया था पर सोमवार को भी मंडी प्रशासन दूसरा आवेदन नहीं दे पाया है। अब संपूर्ण जानकारी के साथ मंगलवार को आवेदन देने की बात मंडी सचिव के द्वारा कही जा रही है। वहीं अनाज चोरी के लिए वैसे ही नगर की मंडी प्रसिद्ध हो गई है इसके चलते काम संख्या में अनाज आने से मंडी सबसे नीचे की ग्रेड में आ गई है इसके बाद भी इस तरह की घटनाओं अंजाम देने वालों पर तत्काल कार्रवाई नहीं होने से किसान यहां पर आने में डरने लगे हैं । समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में और भी बुरे हालात मंडी की हो सकते हैं उसको रोकने के लिए सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे दूसरी ओर किसानों के साथ किसी भी तरह की गलत हरकत व्यवहार चोरी करने वालों पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए इस तरह की कार्रवाई नहीं होने से अनाज चोरी करने वालों के हौसले बुलंद है। गुंडागर्दी करने वाले लोगों को मंडी से बाहर भी करना होगा तभी बदलाव होगा अभी अपराधी प्रवृत्ति के लोग भी मंडी में काम कर रहे हैं इस वजह से ऐसी घटनाएं लगातार हो रही है।

वहीं हमारे सवांददाता के द्वारा इतना बड़ा मामला सामने आने के बाद भी मंडी प्रशासन अब तक किसान के साथ मारपीट करने वालों पर प्रकरण दर्ज नहीं करवा पाए तो इसका समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था जिसको संज्ञान में लेते हुए एसडीएम ने ठोस कार्रवाई करते हुए तुलावत को तो बाहर कर दिया अब हम्मालो पर कितनी जल्दी कार्रवाई होगी और मारपीट करने वाले पर प्रकरण भी मंडी प्रशासन करवा पाएगा या नहीं यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा।

इनका कहना है -

किसानों के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी अनाज चोरी करने वाले तुलावत को मंडी से बाहर कर दिया है। प्रकरण भी दर्ज करवाने के लिए सचिव को निर्देशित किया गया है।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम*

एसडीओ ने नवीन आपराधिक कानून के क्रियान्वयन के संबंध में दी जानकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

1 जुलाई से अपराधिक धाराओं परिवर्तन हो गया है ।आमजन और मीडिया को अवगत कराने के लिए एसडीओ उमेश कुमार तिवारी एवं थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने थाना परिसर में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन करके नवीन धाराओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसका आयोजन पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत चौबे के निर्देशों पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस उमेश तिवारी तथा थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने नवीन आपराधिक कानूनों के बारे में व्यापारी बंधु , जन प्रतिनिधि, वरिष्ट नागरिक, शांति समीति के सदस्य, धर्म प्रमुख , युवा एवं पत्रकार बन्धुओं को नवीन अपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम से विस्तारपूर्वक अवगत कराया, बालिकाओं एवं महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों के बारे में समझाया। एवं उपस्थित आमजनों से विचार विमर्श किया कई लोगों के सवालों का जवाब भी एसडीओपी के द्वारा दिया गया।

मुस्लिम समाज की पहल से दुर्घटनाओं पर लगेगा विराम, बीच सड़क से हटी कब्र

सिरोंज। तहसील को जाने वाली सड़क पर थाने के सामने बरसों कब्र की जिसको हटाने की कवायत लंबे समय से चल रही थी पर मुस्लिम समाज जनों ने आमजन के हित में इस कब्र को यहां से हटवाने की सहमति थी इसके बाद भी सड़क पर बनी कब्र अब नजर नहीं आएगी रविवार की राखी में मुस्लिम समाज के वरिष्ठ जनों ने जनहित में इसको यहां से समाप्त करवा दिया अब यहां पर सीसी ढल गई है। आने-जाने में अब किसी भी रुकावट नहीं होगी वही मुस्लिम समाज जनों ने आमजन के हित में बहुत अच्छी पहल की है जिसकी सभी जगह तारीफ भी हो रही है दिन भर इसी मामले को लेकर चर्चा होती रही क्योंकि बीच सड़क पर कब होने के कारण हमेशा बड़ी दुर्घटना होने का डर बना रहता था।

निजी स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया शुरू अभिभावकों की जेब पर महंगाई की मार

अभिभावक निजी स्कूलों से महंगे दाम में किताबें और स्टेशनरी खरीदने पर मजबूर

सईद खान, सिरोंज।

नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक करीबन दो से छः हजार रुपये किताबों और स्टेशनरी के सेट बिक रहे हैं। जबकि एसडीएम ने पिछले दिनों दुकानों की जांच करके डिस्काउंट देकर काम दरों पर विक्रय करने के निर्देश कई विक्रेताओं को दिए थे पर उनके निर्देशों को भी हवा उड़ने का काम पुस्तक विक्रेताओं के द्वारा किया जा रहा है। अधिकांश पुस्तक विक्रेताओं के द्वारा इनको स्कूल संचालकों से साठ गांठ करके ही महंगे दामों पर इनको बेचने का काम किया जा रहा है। जिससे लोगों पर काफी ज्यादा आर्थिक बोझ पढ़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए है। इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां लंबी लाइनें लग रहीं है। पालक बच्चों की किताबें खरीदने के लिए चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रहे हैं। स्कूलों द्वारा तय निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी की किताबों से पांच गुना तक महंगी हैं। जब इस विषय को लेकर नवदुनिया ने शिक्षा विभाग से जानकारी ली तो उनका कहना है की महंगी किताबों को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। अब शिकायत आएं भी कैसे, कोई भी अभिभावक अपने बच्चे के भविष्य से खिलवाड़ नहीं करना चाहता। क्योंकि शिकायत के बाद पुस्तक विक्रेता पर कार्रवाई हो न हो, स्कूल बच्चे पर जरूर कार्रवाई कर देता है। ऐसे में सवाल है कि क्या अधिकारियों को खुलेआम हो रही यह लूट दिखाई नहीं दे रही। और यदि दिखाई दे रही है तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। पड़ताल में सामने आया कठाली बाजार, मुख्य बाजार और बजरिया स्थित दुकानों पर निजी स्कूलों की किताबें मिल रही है। वही सोमवार को कक्षा सात की किताबें खरीदने आए एक अभिभावक ने बताया बच्चे की किताबों का सेट 4600 रुपये का मिला है। इसमें कई ऐसी पुस्तकें हैं जिन्हें स्कूल में केवल टर्म एक की परीक्षा से पूर्व कुछ दिन के लिए पढ़ाया जाएगा। इसके बाद यह किताबें धूल खाती हैं। यदि किताबें नहीं खरीदते हैं तो बच्चे को स्कूल में दाखिला नहीं दिया जाएगा। अब अभिभावक करें भी तो क्या मजबूरी बस निजी स्कूल संचालकों की मनमर्जी के मुताबिक चलना पड़ रहा है।

एनसीईआरटी की बजाय निजी प्रकाशकों की किताबें पढ़ा रहे

एक अभिभावक ने अपना नाम ना बताने की तर्ज पर बताया कि उनकी बेटी की दूसरी कक्षा में है उसकी किताबें 3500 रुपये में आई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से होने के बावजूद बच्चों को एनसीईआरटी की जगह निजी प्रकाशकों की किताब लेने को कहा जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकें तो हर दुकान में मिल जाती हैं पर निजी प्रकाशकों की किताबें लेने के लिए हमें निश्चित दुकान पर आना पड़ता है। कहीं और ये किताबें नहीं मिलतीं। यदि एनसीईआरटी की किताबें खरीदें तो यह किताबें करीब 600 रूपए के लगभग मिल जाती हैं। जबकि इनकी मनमर्जी की किताबें खरीदते हैं तो यह 2000 से 6000 के बीच में मिलती हैं। जिससे साफ प्रतीत होता है कि खुलेआम लूट हो रही है इसके बाद भी प्रशासन हाथ पर हाथ रखे हुए बैठा है।

इनका कहना है -

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हमने कुछ दुकानों पर जांच पड़ताल की है। लेकिन अभिभावकों की तरफ से हमें कोई शिकायत नहीं मिली है। फिर भी यदि एनसीईआरटी के नियम के विरुद्ध किसी भी विद्यालय में किताबें चलाई जा रही है तो यह गलत है उनकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

***रमेश कुमार धाकड़**, बीआरसी सिरोंज*

हमने पूर्व में स्थानीय निजी स्कूल संचालकों के साथ बैठक करके दिशा निर्देश दिए थे। लेकिन यदि फिर भी कोई स्कूल अभिभावकों को एक निश्चित दुकान से स्टेशनरी खरीदने का दबाव डालता है, तो स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

***हर्षल चौधरी** एसडीएम*

ग्राम पंचायत कूजा में सरपंच सचिव का फर्जीवाड़ा सामने आया!

जनपद पंचायत सिरोंज अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कूजा साफ-सफाई के नाम पर फर्जी भुगतान, ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकेगा कौन, जिम्मेदार हुऐ लापरवाह

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत सिरोंज अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कूजा में जिस तरह से सरपंच और सचिव ने मिलकर साफ-सफाई फोटो कापी आन-लाइन वर्क नाली-सफाई चौकीदार मानदेय,भृत्य मानदेय, टेंट हाउस,के नाम पर हजारों रुपये के फर्जी तरीके से बिल वाउचरों के माध्यम से भुगतान किया गया है। लेकिन मजेदार बात तो यह है कि इतना सब कुछ हुआ लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को दिखाई नहीं दे रहा है, और सरपंच सचिव जनता की गाढ़ी कमाई को डकार रहे हैं, ग्राम पंचायत द्वारा फर्जीवाड़ा कर के किये जा रहे भुगतान को देख रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामले ग्राम

पंचायत कूजा उन ग्राम पंचायतों से पीछे नहीं है जो ग्राम पंचायतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं,विकास कार्य के स्थान पर फिजूलखर्ची को अधिक महत्व दिया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत द्वारा एक ग्रेवल रोड मेहरबान के मकान से राशीद के खेत की ओर,राज्य वित्त आयोग - जनपद स्तर पर डाला जा रहा है। जिस की श्रम लागत 2 लाख 25 हजार रूपये है,और सामग्री लागत 12 लाख 75 हजार रूपये है टोटल स्वीकृत राशि 15 लाख रुपये है।

नदीम अली बने मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष

सिरोंज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा गंज बासौदा'जिला विदिशा जिला मंत्री सैयद नदीम अली को आगामी मोहर्रम कमेटी का अध्यक्ष बनाए गया। जिसमें मुख्य रूप अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष समीर किरमानी जिला उपाध्यक्ष अमन खान अजीज सिद्दीकी अतहर कुरेशी नगर मंडल अध्यक्ष इकबाल अहमद जिया अकील खान शकील हसन सहित समस्त मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर डॉक्टरों का सम्मान करते हुए कहा कि भगवान का दूसरा रूप डॉक्टर

मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन ने वरिष्ठ समाजसेवी राजीव जैन को किया सम्मानित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज के वरिष्ठ समाजसेवी एंव मध्यप्रदेश शासन के अधिमान्य पत्रकार राजीव जैन सैनानी का मानव अधिकार सुरक्षा एंव स्वास्थ्य संगठन भारत के अंतर्गत प्रदेश इकाई द्वारा उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उत्कृष्ट सम्मान के रूप में सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सत्र न्यायधीश राजेन्द्र चौरसिया इंदौर एंव कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका गंज बासौदा अध्यक्ष श्रीमति शशि अनिल यादव के अलावा विशेष अतिथि के रूप में मानव अधिकार सुरक्षा एंव स्वास्थ्य संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एंव शिकायत आयोग के सदस्य डॉ ए.के जैन की उपस्थिति में राजीव जैन सैनानी का उनकी द्वारा की गई सेवाओं को लेकर सम्मान किया गया।

राजीव जैन सैनानी को मानव अधिकार सुरक्षा एंव स्वास्थ्य संगठन का जिला विदिशा का मीडिया इंचार्ज के पद पर नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिला सत्र न्यायधीश राजेन्द्र चौरसिया ने अपने उद्बोधन मे समाजसेवा को सर्वोपरि बताते हुए अपने जीवन काल के स्मरण सुनाए। उन्होने डॉक्टर डे की पूर्व संध्या पर डॉक्टरो का सम्मान करते हुए कहा कि भगवान का दूसरा रूप डॉक्टर है। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति शशि अनिल यादव ने समिति द्वारा किए जा रहें समाज सेवा के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि मानव धर्म ही समाज सेवा है। उन्होने अपने द्वारा किए जा रहें सामाजिक कार्यो को याद किया। साथ ही प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार लेखक स्व अनिल यादव के स्मरणो को भी याद करते हुए कहा कि स्व श्री यादव के बताए हुए रास्तो व आदर्श पर ही में गंज बासौदा का विकास कर रही हूं। वही उन्होने समिति द्वारा आयोजित नेत्र व स्वास्थ्य शिविर जैसा सामाजिक कार्या की प्रशंस्सा की। वही समिति के प्रदेश अध्यक्ष एंव आयोग के सदस्य डॉ ए के जैन समिति द्वारा किए जा रहें उत्कृष्ट कार्यो की जानकारी दी एंव उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों, समाजसेवियो, गौसेवको, रक्तदान करने वाली महिला मण्डल का सम्मान करते हुए उनकी सेवाओं के बारे में जानकारी दी। वही राजीव जैन सैनानी ने अपनी पत्रकारिता क्षेत्र के गुरू अनिल यादव को याद करते हुए उनके स्मरणों को याद किया।

इस अवसर पर सिरोंज टीम द्वारा प्रदेश अध्यक्ष डॉ ए के जैन का भी सम्मान किया गया। सम्मान करने वालो में प्रमुख रूप से राजीव जैन सैनानी,पत्रकार राजेश पटेश,सौरभ साहू,संजीव जैन उपस्थित रहें। वही पत्रकार राजेश पटेल ने संगठन द्वारा दी जा रही सेवाओं को सर्वोपरि बताते हुए कृपोषित बच्चों पर किए कार्यो की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ विमल चन्द्र ऑसवाल,जिला अध्यक्ष गणेश राम रघुवंशी,डॉ पीके जैन,डॉ एस.एस भार्गव,इंजीनियर निर्मल जैन उपस्थित रहें। तो वही कार्यक्रम का संचालन सुनील टिंगलें द्वारा किया गया।

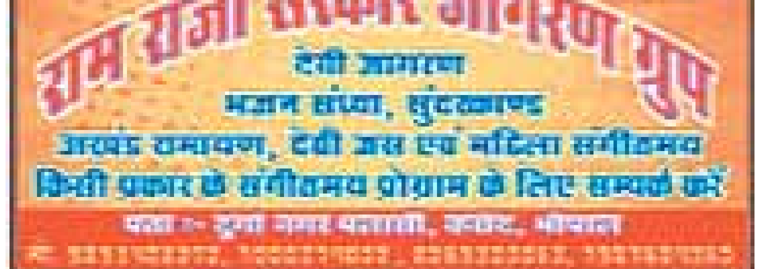

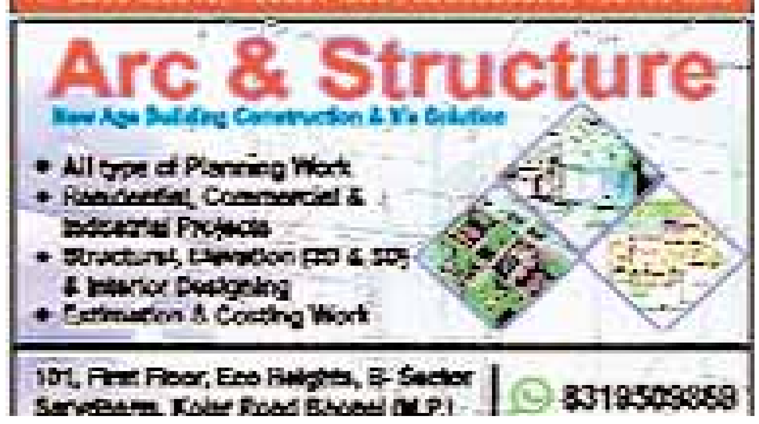

स्विट्जरलैंड ने मौजूदा चैंपियन इटली की बादशाहत खत्म की

डेनमार्क को 2-0 से शिकस्त दी

बर्लिन, एजेंसी

मेजबान जर्मनी ने यूरो कप में 10वीं बार क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। जर्मन टीम ने अंतिम-16 में डेनमार्क को आसानी से 2-0 से मात दी। जर्मनी के लिए केई हावर्ट्स ने 53वें और जमाल मुसेला ने 68वें मिनट में गोल किया।

हावर्ट्ज ने यूरो कप में चार गोल किए हैं और वह जर्मनी की ओर से इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे आगे जुर्गेन किलिंग्समन और मारियो गोमेज हैं, जिनके नाम 5-5 गोल हैं। स्विट्जरलैंड ने यूरो कप फुटबॉल 2024 के अंतिम-16 में बड़ा उलटफेर किया और मौजूदा चैंपियन इटली को बाहर करके उसकी बादशाहत खत्म कर दी। स्विस टीम ने 2-0 से मुकाबला जीता और पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। टीम पिछली बार भी अंतिम-16 में पहुंची थी लेकिन हारकर बाहर हो गई थी लेकिन इस बार उसने कोई गलती नहीं की। वहीं, इटालियन टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2012 के बाद पहली बार अंतिम-16 मुकाबला हारी।

जीत के हीरो...

रेमो और रुबेन ने दागे गोल- स्विटट्जरलैंड टीम के हीरो रेमो फुलर और रुबेन वर्गेस रहे, जिन्होंने टीम के लिए एक-एक गोल दागा। रेमो ने 37वें मिनट में गोल किया और टीम को बढ़त दिलाई दूसरे हाफ में रुबेन ने टीम की बढ़त दोगुना कर दी। उन्होंने 46वें मिनट में यह गोल ठोका।

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को नया कोच मिलेगा, 27 से नई सीरीज

दो उम्मीदवारों को चुना गया है, द्रविड़ का कार्यकाल खत्म

नईदिल्ली, एजेंसी

टीम इंडिया को नया हेड कोच श्रीलंका के खिलाफ लिमिटेड ओवर सीरीज से मिलेगा। भारतीय टीम 3 वनडे और 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलने श्रीलंका जाएगी। सीरीज की शुरुआत 27 जुलाई से होगी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड प के साथ ही खत्म हो गया। बीसीसीआई चिव जय शाह ने पीटीआई से कहा, कोच और सिलेक्टर्स की नियुक्ति जल्द ही होगी। क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने इंटरव्यू करने के बाद दो उम्मीदवारों को चुना है और मुंबई पहुंचने के बाद उन्होंने जो भी तय किया होगा हम वैसा ही करेंगे। फिलहाल वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया की अगली सीरीज जिम्बाब्वे के खिलाफ होगी, जिसकी शुरुआत 06 जुलाई से होगी। इस सीरीज में टीम इंडिया को कोचिंग वीवीएस लक्ष्मण देंगे।

गंभीर बन सकते हैं कोच

आईपीएल 024 चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटोर गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के हेड कोच के लिए इंटरव्यू दिया है। क्रिकइन्फो ने हाल ही में बताया कि गंभीर ने क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी के मेंबर्स से मुलाकात की। इस कमेटी में अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नायक जैसे पूर्व क्रिकेट शामिल हैं। इंडियन टीम के लिए लंबे समय से कोच की तलाश कर रही है, क्योंकि टीम के मौजूदा हेड कोच राहुल का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड के बाद खत्म हो गया।

2027 तक रहेगा नए कोच का कार्यकाल

नए कोच का कार्यकाल 1 जुलाई 2024 से शुरू होकर 31 दिसंबर 2027 तक रहेगा। इस दौरान टीम इंडिया को आईसीसी के 5 टूर्नामेंट खेलने हैं। इनमें चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2 साइकिल शामिल हैं।

द्रविड़ 2021 में हेड कोच बने थे

बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया गया। तब टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के गुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के कारण उनका कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया गया। भारत दूसरी बार टी-20 क्रिकेट का विश्व विजेता बना, इस बात को 24 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है। भारत ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जो जीता है। हालांकि, इस जीत, इस सपने को साकार बनाने वाले सबसे अहम किरदारों के बारे में शायद आपने अब तक उतना नहीं जाना, जितना उनके बारे में बताया जाना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका पर पारी की हार का खतरा, भारत का शिकंजा

चेन्नई, एजेंसी

स्पिनर स्नेह राणा की करिश्माई गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 266 रन पर ढेर कर फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर कर दिया। वहीं, दूसरी पारी में सुने लूस के शतक (109) और लौरा वोल्वार्ड्ट के नाबाद अर्धशतक (93 रन) से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 2 विकेट पर 232 रन बना लिए थे। हालाकि पारी की हार से बचने के लिए दक्षिण अफ्रीका को अभी भी 105 रन की दरकार है। भारतीय टीम ने पहली पारी 6 विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित कर दी थी।

स्नेह राणा ने रचा इतिहास: भारतीय स्पिनर स्नेह राणा ने पहली पारी में आठ विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट की एक पारी में आठ विकेट लेने वाली भारत की नीतू डेविड व ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर के बाद तीसरी गेंदबाज हैं।

63वीं नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप

अविनाश ने 3000 मी स्टीपलचेज में जीता स्वर्ण

पंचकूला. एजेंसी

एशियाई खेलों के चैंपियन अविनाश साबले भले ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर रहे लेकिन उन्होंने अपने ही मीट रेकॉर्ड में सुधार करते हुए 63वीं नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा जीतने में कामयाबी हासिल की। राष्ट्रीय रेकॉर्ड धारक अविनाश ने 8.31.75 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2019 में लखनऊ में बनाए गए 8ब्33.19 के अपने पिछले मीट रेकॉर्ड में सुधार किया। सुमित ने 8:46.93 के समय संग रजत जबकि शंकर स्वामी ने 8:47.05 के साथ कांस्य जीता।

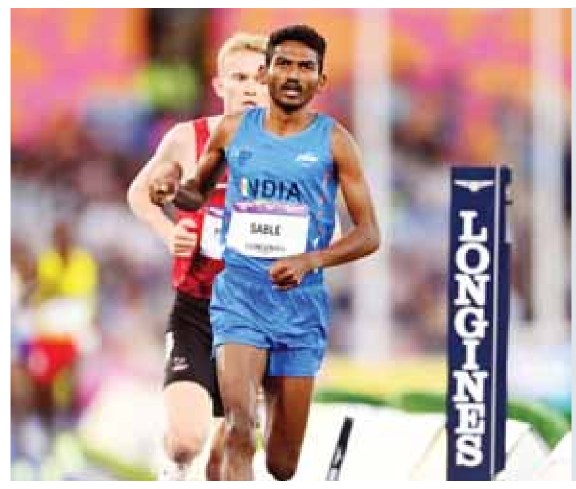

शॉटपुट में तजिंदरपाल बने चैंपियन

पुरुषों के शॉटपुट में तजिंदरपाल सिंह तूर ने शीर्ष पर रहते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में 19.93 का थ्रो फेंका और चैंपियन बने।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जूही ने शाहरुख को लेकर किया खुलासा, बोलीं ईएमआई न भर पाने से छीन गई थी कार

जूही चावला और शाहरुख खान ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। दोनों आज भी बहुत क्लोज फ्रेंड हैं। हाल ही में जूही चावला ने खुलासा किया कि एक बार शाहरुख खान ईएमआई नहीं चुका पाए थे, जिसकी वजह से उनकी जिप्सी कार कंपनी वाले ले गए थे। इसके बाद शाहरुख बहुत उदास हो गए थे। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक इवेंट में जूही ने पूरा किस्सा सुनाया। जूही ने बताया कि उन दिनों शाहरुख के पास घर नहीं था, क्योंकि वो दिल्ली से थे। मैं ये नहीं जानती कि उनके लिए खाना कौन बनाता था। लेकिन सेट पर वो बाकी लोगों के साथ ही यूनिट की प्लेट में खाना खाते थे। यूनिट की ही चाय पीते थे। सेट पर सभी लोगों के साथ घुल-मिलकर हंसी मजाक करते हुए रहते थे। उन दिनों उनके पास ब्लैक कलर की जिप्सी कार थी। उस समय उनके पास कई फिल्में थीं। वो मेरे साथ राजू बन गया जेंटलमैन, दिल आशना है और दिव्या भारती के साथ एक और फिल्म दीवाना कर रहे थे। किसी वजह से वो कार की ईएमआई नहीं दे पाए थे या ऐसा कुछ तो हुआ था। इस वजह से उनकी जिप्सी छिन गई थी। वो बहुत निराश होकर सेट पर आए थे। मैंने उनसे कहा कि परेशान मत हो, एक दिन आपके पास बहुत सारी कारें होंगी और उन्हें ये बात आज भी याद है,

क्योंकि ये सच हुआ। आज देखिए वह कहां से कहां पहुंच गए हैं। जूही चावला 'डर' (1993), 'डुप्लीकेट' (1998),' राम जाने' (1995),'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' (2000) और 'वन टू का फोर' (2001) जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।' अब शाहरुख खान 'किंग' फिल्म में नजर आएंगे। वहीं, जूही चावला पिछली बार 'द रेलवेमैन' वेब सीरीज में दिखी थीं।

मिर्जापुर: बोल्ड दृश्यों पर विजय बोले - कोरियोग्राफी के हिसाब से करते हैं ऐसे सीन

लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन जल्द ही प्रीमियर होने वाला है। इस नए सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज को पसंद करने वाले दर्शकों की सूची काफी लंबी है, जो इसके नए सीजन को लेकर काफी उत्साहित भी नजर आ रहे हैं। हाल में ही इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिस पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया दी थी। इस सीरीज में अभिनेता विजय वर्मा जुड़वा भाइयों की दोहरी भूमिका में नजर आए हैं। इस का दूसरा सीजन एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुआ था, जिसने दर्शकों को सोच में डाल दिया था कि छोटे भाई की मौत हुई थी या बड़े भाई की। विजय की अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी के साथ कुछ बोल्ड सीन्स भी काफी चर्चित हुए थे, जिस पर अभिनेता ने अब बात की है। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता विजय वर्मा ने अपने बोल्ड दृश्यों पर बात की है। उन्होंने कहा उस सीन में बड़ी आंखो वाला लड़का, जो मासूम और दिल से रोमांटिक था, उसे उस लड़की से बहुत कुछ अपने बारे में सीखने को मिला, जिससे वह बहुत प्यार करता था। उसकी प्रेमिका यहां उसे शिक्षिका की तरह समझा रही थी। अभिनेता ने कहा कि इस तरह का प्रयोग एक किरदार के लिए काफी दिलचस्प था। अभिनेता ने कहा कि भले यह दृश्य थोड़ा कामुक लगता है, लेकिन यह बताता है कि जीवन समय के साथ कैसे खुलता जाता है।

सामंथा ने की भोजन पर बात, यूजर बोला- ऐसे ब्रांड के विज्ञापन किए, जो स्वास्थ्य के लिए सही नहीं

अभिनेत्री सामंथा को साल 2022 में पता चला था कि वो मायोसिटिस से पीड़ित हैं। इस बीमारी में मांसपेशियों में सूजन आने लगती है। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए सामंथा ने कामकाज से छह महीने का ब्रेक ले लिया था। पिछले साल उन्होंने कुशी फिल्म से परदे पर वापसी की थी। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा ने भी अभिनय किया था। रूथ प्रभु पिछले काफी समय से स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लेकर मुखर नजर आ रही हैं। वो अक्सर अपने वर्कआउट की वीडियो साझा करती रहती हैं, जिससे कई लोग प्रेरित होते हैं। अब सामंथा ने अपने पॉडकास्ट टेक20 में स्वस्थ भोजन खाने के महत्व पर चर्चा की है, जिस पर एक यूजर की टिप्पणी ने उन्हें जवाब देने के लिए मजबूर कर दिया। सामंथा ने अपने पॉडकास्ट में अच्छे खान-पान को लेकर जो कुछ कहा, उस पर एक सोशल मीडिया यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सामंथा अब तो खाने की बढ़िया आदतों को लेकर बात कर रही हैं, लेकिन वो विज्ञापनों में ऐसे खाद्य और पेय ब्रांडों का समर्थन कर चुकी हैं, जो स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। ऐसा लगता है कि यूजर की इस टिप्पणी का सामंथा पर काफी असर हुआ और शायद तभी उन्होंने इस पर अपनी ओर से भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि मैं अतीत में गलतियां कर चुकी हूं, जब मुझे बेहतर जानकारी नहीं थी, मगर मैंने कई विज्ञापनों में काम करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि वो जो बात कहती हैं, उसे अपने पर लागू करने में यकीन रखती हैं। सामंथा ने कहा कि उन्होंने जो भी सीखा है, उसे लेकर उन सभी बातों को अनदेखा करना मुश्किल है, जिन बातों के बारे में उन्हें पहले जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान स्वस्थ जीवन जीने पर केंद्रित हैं। इसमें चाहे खाने का चुनाव हो या फिर ब्रांड का। सामंथा को साल 2022 में पता चला था कि वो मायोसिटिस से पीड़ति हैं। इस बीमारी में मांसपेशियों में सूजन आने लगती है। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए सामंथा ने कामकाज से छह महीने का ब्रेक ले लिया था। पिछले साल उन्होंने कुशी फिल्म से परदे पर वापसी की थी।

मेट्रो बाजार

तीन अरब डॉलर जुटाने देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगी हुंडई

नईदिल्ली, एजेंसी

आईपीओ के माध्यम से हुंडई लगभग 3 बिलियन डॉलर जुटाने की कोशिश करेगी। अगर योजना के अनुसार कंपनी का आईपीओ धरातल पर उतरता है तो यह 2022 में आए भारतीय जीवन बीता निगम के 2.5 बिलियन इश्यू को पार करते हुए भारत का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा। दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता हुंडई मोटर की भारतीय इकाई ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा कराए हैं। कंपनी ने आईपीओ के तहत 14.22 करोड़ शेयर बेचने की पेशकश की है। शेयर बिक्री के लिए सलाहकारों में सिटीग्रुप इंक, कोटक महिंद्रा बैंक, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, एचएसबीसी होल्डिंग्स पीएलसी और मॉर्गन स्टेनली को शामिल किया गया है। वित्तीय वर्ष 24 में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड पैसेंजर सेल्स वॉल्यूम के मामले में मारुति सुजुकी के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता है। हुंडई का राजस्व 60,000 करोड़ रुपये रहा जबकि इसका मुनाफा 4,653 करोड़ रुपये रहा। यह देश में गैर-सूचीबद्ध कार निर्माताओं में सबसे अधिक है। आईपीओ के माध्यम से हुंडई लगभग 3 बिलियन डॉलर जुटाने की कोशिश करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस आईपीओ के बाद साल के अंत तक संभावित रूप से शेयरों की लिस्टिंग की योजना बनाई गई है। अगर योजना के अनुसार कंपनी का आईपीओ धरातल पर उतरता है तो यह 2022 में आए भारतीय जीवन बीता निगम के 2.5 बिलियन इश्यू को पार करते हुए भारत का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा। कंपनी ने कहा है कि उसने 10 रुपये अंकित मूल्य के 142,194,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य स्टॉक एक्सचेंजों पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने के लाभों को प्राप्त करना है। कंपनी को उम्मीद है कि इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग उसकी दृश्यता और ब्रांड छवि को बढ़ाएगी और भारत में इक्विटी शेयरों के लिए तरलता और सार्वजनिक बाजार

टाटा मोटर्स ने 2 फीसदी तक बढ़ाए कॉमर्शियल गाड़ियों के दाम, लागू हो गई नई कीमतें

नईदिल्ली, एजेंसी

टाटा मोटर्स ने अपने सभी कॉमर्शियल व्हीकल्स के दाम 2 फीसदी तक बढ़ाने का ऐलान किया है। बढ़े हुए दाम एक जुलाई 2024 से प्रभावी हो गए हैं। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। टाटा मोटर्स ने बताया कि कमोडिटी प्राइस में बढ़ोतरी के चलते यह फैसला लिया गया है। कंपनी का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी कॉमर्शियल व्हीकल्स की रेंज पर लागू होगी और अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के अनुसार बढ़ोतरी अलग-अलग होगी। आज टाटा मोटर्स का शेयर 0.29 फीसदी गिरावट के साथ 983 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले एक महीने में टाटा मोटर्स के शेयर में 3.40 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। वहीं,पिछले 6 महीने में यह शेयर 34.93 फीसदी और एक साल में 73.77 फीसदी का रिटर्न दिया है। टाटा मोटर्स का वित्त वर्ष 2024 में मुनाफा 1000 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 31,807 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 2,689 करोड़ रुपए रहा था। 10 मई को टाटा मोटर्स ने चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए थे। वहीं, चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च के तीन महीनों में टाटा मोटर्स को सालाना आधार मुनाफा 218.93 फीसदी बढ़कर 17,528.59 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 5,496.04 करोड़ का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया था।

सभी थानों में नए कानून पर आधारित पोस्टर, फ्लेक्स, बैनर लगाए | स्मार्ट सिटी में टीवी स्क्रीन पर कानून के प्रति किया जा रहा जागरुक

आमजन को थाने का भ्रमण कराया नए कानून से कराया रूबरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

1 जुलाई 2024 से देश में नए आपराधिक कानून लागू होने से नगरीय पुलिस भोपाल के सभी थानों में नए कानून के प्रावधानों एवं आमजन के अधिकारों के संबंध में महिलाओं, बच्चों समेत आमजन के लिए सभी थानों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही नए आपराधिक कानून आधारित फलैक्स, पोस्टर एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शनी लगाई गई। ताकि आमजन नए अपराधिक कानून के प्रावधानों एवं अधिकारों से रूबरू कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई से पुराने भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम में बदलाव करते हुए नए आपराधिक कानून 1-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2-भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएएसएस), और 3-भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो गए हैं, जिनमें पुराने अधिनियम की धाराओं को समाहित किया गया है। साथ ही बदलाव के तहत रिपोर्ट दर्ज कराने समेत आमजन के अधिकारियों को मजबूती मिली है। नए कानून में आनलाइन एफआईआर दर्ज कराने एवं सजा के प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके अलावा आमजन अपने अधिकारों का उपयोग करके नए कानून का लाभ ले सकते हैं। नए कानून के प्रति जागरूक कराने राजधानी के सभी थानों में जन जागरुकता अभियान चलाया गया।

टीलाजमालपुरा थाने में जनसंवाद: थाना टीला में जन संवाद का आयोजन किया गया। पुलिस उपायुक्त जोन-3 रियाज इकबाल ने जन संवाद को संबोधित करते हुए नए अपराधिक कानून के प्रावधानों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजो के द्वारा बनाए गए कानून के परिवर्तन से आमजनों को एफआईआर से लेकर न्याय एवं आरोपितों को दंड मिलने में काफी आसानी होगी। साथ ही महिला संबंधी मामलों में भी बहुत से बदलाव किए हैं। बदलाव से पीड़िता को पुलिस से मदद मांगने में एवं कानूनी प्रक्रिया के दौरान सहुलियत रहेगी।

चूनाभट्टी थाना परिसर में जनसंवाद

चूनाभट्टी थाना परिसर में जनसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश भोपाल, कुलपति म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल, डॉ. विनीत कपूर पुलिस उप महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल, पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुंदर सिंह कनेष, अति0 पुलिस उपायुक्त मलकीत सिंह, अति0 पुलिस उपायुक्त नीतू ठाकूर, सहायक पुलिस आयुक्त अंजली रघुवंशी, अधिवक्तागण, पत्रकारगण, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि थाना क्षेत्र मे निवासरत गणमान्य नागरिक, व्यापारीगण चिकित्सक, अधिवक्ता, सम्मानीय बुजुर्ग, थाना क्षेत्र मे संचालित स्कूलो के शिक्षक, कॉलेज के डायरेक्टर एवं प्रोफेसर, मीडियाकर्मी, महिलाओ समेत बच्चें और आमजन उपस्थित रहे। सभी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2003 भारतीय न्याय संहिता-2023 एवं भारती साक्ष्य अधिनियम-2023 के प्रावधान की जानकारी दी गई।

मिसरोद थाने में जनसंवाद

मिसरोद थाने में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी ने नए अपराधिक कानून के प्रावधानों एवं अधिकारों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कानून में बदलाव से पीड़ित को न्याय एवं अपराधियों को कैसे सजा मिल सकेगी। इस दौरान एसीपी रजनीष कश्यप, एडीपीओ, अधिवक्तागण, गणमान्य नागरिक, उदय संस्था की टीम, एवं थाना प्रभारी, स्टॉफ समेत लगभग 160 लोग सम्मिलित हुए। इसी प्रकार जहांगीराबाद में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त प्रियंका शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए में नए अपराधिक कानून में समाहित धाराओं, सजा के प्रावधानों एवं आमजनों के अधिकारों, उनके लाभ के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

औद्योगिक क्षेत्र में चौकीदार की संदिग्ध हालात में मौत

यूनिक एडवरटाइजिंग कंपनी में करते था चौकीदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

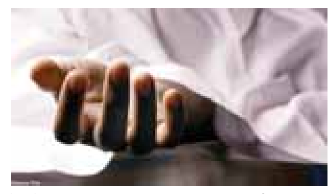

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित यूनिक एडवरटाइजिंग कंपनी में बुजुर्ग चौकीदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार रात वह कंपनी चौकीदारी करते समय सो गए थे। सोमवार सुबह कर्मचारी पहुंचे तो उनकी लाश मिली। कंपनी के कर्मचारी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गया प्रसाद चौकसे यूनिक एडवरटाइजिंग कंपनी में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि कंपनी में गत पांच साल से 64 साल के सुरेश कुमार चौकीदारी कर रहे थे और कंपनी में ही रहते थे। रविवार को वह कंपनी में चौकीदारी करते समय सो गए। सोमवार सुबह कर्मचारी कंपनी पहुंचे तो वह अचैत अवस्था में मिले थे। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि पिछले कुछ दिनों से सुरेश की तबीयत बिगड़ी हुई थी और दो दिन पहले ही अस्पताल से वे लौटे थे। अनुमान है कि उनकी मौत बीमार होने के कारण हुई है।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित बीडीए कॉलोनी में सोमवार सुबह एक महिला ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार कल्लोबाई पति गयाप्रसाद (55) बीडीए कॉलोनी अवधपुरी में रहती थी। पति भी बुजुर्ग होने के कारण घर में ही रहते हैं, जबकि बच्चे नगर निगम में सफाईकर्मी हैं। परिजन ने बताया कि कल्लोबाई ने सोमवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगा ली थी। फंदे पर लटका देख उन्हें परिजन ने फंदे से उतारा और एम्स ले गए, वहां पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। पुलिस को कल्लोबाई के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस की विभिन्न इकाइयों के 13 अधिकारियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला पुलिस बल भोपाल में लंबे सेवाकाल पूर्ण कर चुके 13 अधिकारियों, कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति के अवसर पर आयुक्त कार्यालय सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह, सम्मान समारोह के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों को उपहार एवं श्रीफल भेंट कर भावभीनी विदाई दी तथा स्वस्थ्य एवं सुखी जीवन की शुभकामनाएं दी। साथ ही समारोह में मौजूद अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं परिजनों ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के दौरान की महत्वपूर्ण घटनाओं एवं पलों को सभी से साझा किए, साथ ही माता-पिता, पत्नी एवं बच्चों के सहयोग को याद करते हुए भोपाल पुलिस तथा मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के सभी अधिकारियों के मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही परिजनों ने भी पुलिस के प्रति समर्पण एवं भावनाओं को व्यक्त करते हुए पुलिस विभाग का आभार जताया' साथ ही सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिजनों ने कविता के माध्यम से अपने पिता एवं पुलिस की सराहना की। सम्मान समारोह के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में सभी अधिकारियों तथा उनके परिजनों को सेवानिवृत्ति की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद सभी की दिनचर्या में अक्सर बहुत ही ज्यादा परिवर्तन आ जाता है इस कारण स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं जिससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य खराब हो जाता है ' स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है, वृद्धावस्था में स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहें' इसलिए आप सभी से आग्रह है कृपया अपने आप को हमेशा व्यस्त रखे एवं फिट रहे ताकि अपना एवं अपने परिवार का बखूबी से ध्यान रख सके ' अगर सेवाकाल के दौरान आपके कोई ख्वाब या योजना अधूरी रह गई हो तो उसे अवश्य पूरा करें।

बालिका गृह से चार लड़कियां गायब, टूटी मिली खिड़की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर इलाके के नेहरू नगर बालिका गृह से चार नाबालिग लड़कियां गायब हो गई। बालिका गृह के पीछे की तरफ वाले कमरे की खिडकी टूटी हुई मिली हैं। बच्चियां खुद से भागीं या उनका अपहरण हुआ इसको लेकर कमला नगर पुलिस जांच में जुटी है। अब तक बच्चियों का पता नहीं चला है। पूरे मामले में बालिका गृह प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। बच्चियों के गायब होने की प्रबंधन को भनक तक नहीं लगी। सोमवार सुबह करीब छह बजे उस दौरान पता चला जब कमरे की खिडकी टूटी हुई देखी गई। लड़कियों की उम्र 15 से 17 के बीच की है। कमला नगर पुलिस के मुताबिक, चारों बच्चियां भोपाल के आसपास एरिया की रहने वाली हैं। बतादें, अगस्त 2023 में बालिका गृह में रहने वाली 11 बच्चियों की खाना खाने के बाद तबियत बिगड़ गई थी। तब भी प्रबंधन पर लड़कियों ने खाने में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए थे। लड़कियों का कहना था कि उन्हें जानवर की तरह रखा जाता है। सरकार से मिलने वाली सुविधाएं प्रबंधन से जुड़ी महिलाएं हड़प लेती हैं। शिकायत करने पर धमकी दी जाती है।

भोपाल । भोपाल के रेल्वे अस्पताल में आज रिटायर्ड रेल कर्मचारियों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान जरूरी उपचार व दवा आदि वितरित की गई।

भेल की जमीन पर प्लाटिंग करने वालों पर एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जालसाजों ने भेल की दो एकड़ जमीन को अपनी पैतृक जमीन बताकर प्लॉट काटे और लोगों को बेच दिया। भेल प्रशासन को इसका पता चला तो जमीन पर से अतिक्रमण हटा दिया। मामले में बागसेवनिया पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। बागसेवनिया पुलिस ने बताया कि पिपलिया पेंदे खां गांव के पीछे से बागसेवनिया की ओर जाने वाले रास्ते पर दो एकड़ जमीन है। इस जमीन पर कुछ लोगों का कई सालों से कब्जा था। उनके अतिक्रमण की बात सामने आई तो भेल प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की तो मामला कोर्ट में चला गया। कब्जेधारी हाईकोर्ट गए, लेकिन वहां से भी स्टे नहीं मिला। इसी बीच उन्होंने इस जमीन पर प्लाटिंग करना शुरू कर दिया। जांच के बाद पुलिस ने भेल के प्रशासनिक अधिकारी चंद्रकांत विश्वकर्मा की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शिराज अहमद उर्फ भैया भाई, शहजादे, जहीर, मोहम्मद जावेद तथा शहजाद के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेज बनवाकर जमीन को अपनी पैतृक जमीन बताया और लोगों को बेच दिया।

मेट्रो एंकर | चौथी मंजिल से गिरी भाजपा नेत्री की बहू की मौत का मामला

मायके पक्ष ने लगाए प्रताड़ित करने और हत्या के आरोप, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

पड़ोसी बोले पीड़िता की मृत्यु से पहले हुआ था विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गौरीशंकर आवासीय परिसर कटारा हिल्स में एलआईजी 14 में चौथी मंजिल से गिरकर भाजपा नेत्री की बहू की मौत के मामले में पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। मायके पक्ष के आरोप के आरोप और प्राथमिक जांच में पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा है। हालांकि पुलिस आत्महत्या और अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

उल्लेखनीय है कि स्वाति पटेल पति भूपेंद्र पटेल (22) सागर जिले के एक गांव की रहने वाली थी। उनकी शादी तीन महीने पहले ही गौरीशंकर आवासीय परिसर निवासी भूपेंद्र पटेल से हुई थी।

भूपेंद्र पटेल यहां एलआईजी 14/409, में खुद के फ्लैट में रहते हैं। परिवार में उनकी पत्नी स्वाति के अलवा मां द्रौपती पटेल भी रहती हैं। मां द्रोपती पटेल भाजपा नेत्री हैं। परिजन ने पुलिस को बताया कि रविवार देर रात करीब 12 बजे के आसपास बारिश होने लगी थी। स्वाति गेट से बाहर पोर्च में सूखने डले कपड़े लेने का कहकर गई थी। कुछ देर बाद जोरदार आवाज आई और पता चला कि वह छत से नीचे गिर गई है। वे नीचे पहुंचे और पार्किंग एरिये से स्वाति को उठाकर एम्स ले गए थे। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। स्वाति का शव मायके पक्ष के लोग अपने गांव ले गए हैं, वहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। पड़ोसियों का कहना है कि आत्महत्या से पूर्व स्वाति पटेल के घर से विवाद होने की आवाज भी आई थी।

परिजन ने लगाए प्रताड़ित करने के आरोप

घटना की जानकारी मिलते ही सागर से स्वाति पटेल के मायके पक्ष से भाई और परिजन पहुंच गए थे। स्वाति के भाई ने स्वाति को प्रताड़ित किए जाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी मिसरोद रजनीश कश्यप को सौंपी गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022